News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-68
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं होता केवल उसको उपयुक्त काम में लगाने वाला ही कठिनाई से मिलता है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, गुरुवार, 13 जून 2024

..कुवैत में 40 भारतीयों की जिंदा जलकर मौत

सोने के दौरान कई लोगों की धुएं के कारण दम घुटने से गई जान, विदेश मंत्री ने जताई शोक संवेदना

कुवैत। कुवैत में दक्षिणी इलाके की एक इमारत में लगी आग में 40 भारतीयों की मौत हो गई है। यह भीषण हादसा बुधवार को स्थानीय समयानुसार तड़के 4 बजे के करीब हुआ। आग जिस इमारत में लगी थी, उसमें बड़ी संख्या में भारतीय मजदूर रह रहे थे। अधिकारियों का कहना है कि मरने वाले लोगों की संख्या में इजाफा हो सकता है। यह आग अल-मंगफ नाम की इमारत में लगी, जहां मजदूर रहते थे। कुवैती मीडिया का कहना है कि कुछ लोगों की मौत आग में जलकर हुई है। वहीं बड़ी संख्या में लोगों की मौत धुएं के चलते दम घुटने से हुई। इस हादसे पर पीएम नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दुख जताया है। हादसे में मृतकों की संख्या इसलिए भी अधिक हो गई क्योंकि आग तड़के 4 बजे लगी, जिस दौरान लोग सो रहे थे। ऐसे में लोगों को बचने का मौका नहीं मिला और उनका नींद में रहने के दौरान ही दम घुट गया। इस बिल्डिंग को एनबीटीसी ग्रुप नाम की एक कंपनी ने ले रखा था और इसमें 195 मजदूर रह रहे थे। इनमें से ज्यादातर लोग भारत के केरल, तमिलनाडु और कुछ उत्तर भारत के राज्यों के थे। इस हादसे पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी ट्वीट किया है। उन्होंने कहा कि कुवैत में आग लगने की घटना से हम दुखी हैं। अब तक जानकारी मिली है कि 40 लोगों की मौत हुई है और 50 लोगों को अस्पताल में एडमिट कराया गया है। पूरे मामले की जानकारी रखने वाले लोग भी बता रहे हैं कि 40 भारतीय मारे गए हैं। फिलहाल मृतकों की पहचान पता लगाई जा रही है। इसके अलावा दूतावास ने भी घटनास्थल पर संपर्क किया है और घायलों को अस्पताल ले जाया जा रहा है। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारतीय राजूत आदर्श स्वैका भी मौके पर पहुंचे हैं और पूरी जानकारी जुटा रहे हैं।

लालच ने ली लोगों की जान: मंत्री

गृह मंत्री ने अग्निकांड वाली जगह का दौरा करने के बाद अपने बयान में कहा, आज जो हुआ वह कंपनी और भवन मालिकों के लालच का नतीजा है। मैंने कुवैत नगर पालिका और सार्वजनिक प्राधिकरण को इसी तरह नियमों के विरुद्ध बनी इमारतों परह तत्काल कार्रवाई शुरू करने का आदेश दिया है। कंपनी ने अपने लालच में बड़ी संख्या में श्रमिकों को एक आवासीय भवन में ठूंस देते हैं। हम ये सुनिश्चित करेंगे कि ऐसे हादसों की रोकथाम के लिए सभी सुरक्षा आवश्यकताएं लागू हों और भविष्य में इसी तरह की घटनाएं ना हों।

लश्कर आतंकवादी मोहम्मद आरिफ की दया याचिका राष्ट्रपति मुर्मू ने की खारिज

लाल किले पर हमले के दोषी को होगी फांसी?

नई दिल्ली। करीब 24 साल पुराने लाल किला हमला मामले में दोषी पाकिस्तानी आतंकवादी मोहम्मद आरिफ उर्फ अशफाक की दया याचिका राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खारिज कर दी है। 25 जुलाई, 2022 को राष्ट्रपति पद संभालने के बाद राष्ट्रपति द्वारा खारिज की गई यह दूसरी दया याचिका है। सुप्रीम कोर्ट ने 3 नवंबर, 2022 को आरिफ की समीक्षा याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें मामले में उसे दी गई मौत की सजा की पुष्टि की गई थी। विशेषज्ञों का मानना है कि मौत की सजा पाने वाला दोषी अभी भी संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत लंबी देरी के आधार पर अपनी सजा कम करने के लिए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटा सकता है। अधिकारियों ने राष्ट्रपति सचिवालय के 29 मई के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि 15 मई को प्राप्त आरिफ की दया याचिका 27 मई को खारिज कर दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने मौत की सजा बरकरार रखते हुए कहा कि आरिफ के पक्ष में कोई राहत देने वाली परिस्थितियां नहीं थीं और इस बात पर जोर दिया कि लाल किले पर हमला देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए सीधा खतरा है। 22 दिसंबर 2000 को हुए इस हमले में घुसपैठियों ने लाल किला परिसर में तैनात 7 राजपूताना राइफल्स यूनिट पर गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप तीन सेना कर्मियों की मौत हो गई। पाकिस्तानी नागरिक और प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के सदस्य आरिफ को हमले के चार दिन बाद दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। शीर्ष अदालत के 2022 के आदेश में कहा गया था, ह्लअपीलकर्ता-अभियुक्त मोहम्मद आरिफ उर्फ अशफाक एक पाकिस्तानी नागरिक था और उसने अवैध रूप से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश किया था।

300 करोड़ की संपत्ति पर थी बहू की नजर, ससुर को कार से कुचलवाया

नागपुर। करोड़ों की संपत्ति एक बुजुर्ग के लिए मौत की वजह बन गई है। दरअसल बुजुर्ग की संपत्ति पर उनके बहू की नजर थी। बहू ने संपत्ति हड़पने के लिए साजिश रचकर अपने ससुर की हत्या करवा दी। यह सनसनीखेज घटना नागपुर में घटी है, जहां एक 82 वर्षीय व्यक्ति की हिट-एंड-रन में हुई मौत हो गई। जब जांच हुई तो जघन्य हत्या की साजिश का खुलासा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कथित तौर पर बुजुर्ग की बहू द्वारा 300 करोड़ रुपये की पारिवारिक संपत्ति हासिल करने के लिए इस हत्या की साजिश रची गई थी। इस सिलसिले में नगर नियोजन विभाग में सहायक निदेशक अर्चना मनीष पुत्तेवार को पिछले सप्ताह गिरफ्तार किया गया था। उसकी यह गिरफ्तारी ससुर पुरुषोत्तम पुत्तेवार की कार से कुचलकर हत्या किए जाने के 15 दिन बात हुई है। एक पुलिस अधिकारी ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि अर्चना पुत्तेवार ने इस हत्या के लिए लोगों को काम पर रखा था और करीब 1 करोड़ रुपये की सुपारी दी। पुलिस अधिकारी ने कहा, ह्लउसने अपने ससुर की हत्या करने के लिए एक पुरानी कार खरीदने के लिए आरोपी को पैसे दिए थे। उसने इस हत्या को दुर्घटना में बदलने की साजिश रची ह्व पुलिस के मुताबिक, अर्चना ने जाहिर तौर पर पुरुषोत्तम की 300 करोड़ की संपत्ति पर कब्जा करने के लिए यह किया होगा। अधिकारी ने बताया कि 53 वर्षीय महिला ने कथित तौर पर अपने पति के ड्राइवर बागड़े और दो अन्य आरोपियों, नीरज निमजे और सचिन धार्मिक के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी। पुलिस ने उन पर हत्या और आईपीसी और मोटर वाहन अधिनियम के तहत अन्य धाराओं के तहत आरोप लगाए हैं। इस मामले में दो कारें, सोने के गहने और मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं।

हवाई सेवा से जुड़ेंगे मध्यप्रदेश के आठ शहर

सीएम मोहन यादव आज भोपाल एयरपोर्ट पर विमान को फ्लैग ऑफ करके करेंगे रवाना

टिकट बुकिंग की ऑनलाइन सुविधा के लिए वेबसाइट लॉन्च

भोपाल। मध्य प्रदेश में पर्यटन को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण पर्यटक स्थलों को हवाई सेवा से जोड़ा जा रहा है। मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा प्रदेश के 8 शहर भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा, उज्जैन, ग्वालियर, सिंगरौली एवं खजुराहो को 6 सीटर वाले दो एयरक्राफ्ट्स के माध्यम से जोड़ने के लिए पीएमश्री हवाई पर्यटन सेवा का संचालन गुरुवार से शुरू होने जा रहा है। सीएम डॉ. मोहन यादव 13 जून को भोपाल एयरपोर्ट पर पीएमश्री हवाई पर्यटन सेवा के विमान को फ्लैग ऑफ कर रवाना करेंगे।पहली फ्लाइट भोपाल-जबलपुर-रीवा-सिंगरौली की होगी। इस सेवा का शुभारंभ उज्जैन में 16 जून रविवार को होगा। बता दें कि इससे पहले 14 मार्च 2024 को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के स्टैट हैंगर से पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा का शुभारंभ किया था। पीएमश्री हवाई पर्यटन सेवा की टिकट बुकिंग की ऑनलाइन सुविधा के लिए फ्लायओला वेबसाइट डेवलप की गई है। जिसको मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में लॉन्च किया। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति और टूरिज्म बोर्ड के प्रबंधक शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि पर्यटन विभाग द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन

यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश के पर्यटन स्थलों के बीच कनेक्टिविटी बेहतर एवं सुगम बनाने और पर्यटन सुविधाओं में विस्तार करने के लिए लगातार नवाचार किए जा रहे हैं। पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र के लिए मील का पत्थर साबित होगी। यह पर्यटन क्षेत्र के साथ-साथ उद्योग, व्यापार, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं संस्कृति और कला के प्रचार-प्रसार के लिए भी लाभदायक है।

ऐसे होगी हवाई सेवी की बुकिंग

बुकिंग सुविधा की जानकारी देते हुए प्रमुख सचिव शुक्ला ने बताया कि वायु सेवा की बुकिंग के लिए इंदौर, भोपाल एवं जबलपुर के एयरपोर्ट पर बुकिंग काउंटर स्थापित किए जा चुके हैं। फिलहाल, प्रदेश के 8 शहरों को हवाई सेवा के माध्यम से जोड़ा जा रहा है। जिसका विस्तार आने वाले समय में कुछ और शहरों तक किया जाएगा।

16 जून को उज्जैन से हवाई यात्रा की होगी शुरूआत हवाई सेवा से प्रदेश के प्रमुख शहरों को जोड़ा जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में 15 जून को ग्वालियर और फिर 16 जून को उज्जैन से हवाई यात्रा की शुरूआत होगी। इच्छुक पर्यटक 666.ा'8ड्म'.ह्ल पर ऑफर, शेड्यूल और किराया संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

अब नहीं होगी टिकटों की वेटिंग लिस्ट, किराया भी होगा कम

पटरियों पर जल्द दौड़ेंगी 50 नई अमृत भारत एक्सप्रेस

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे इस वित्तीय वर्ष में 50 अमृत भारत ट्रेनें शुरू करने की योजना बना रहा है। दरअसल, इस साल की शुरूआत में तत्कालीन रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने खुलासा किया था कि ऐसी 1,000 ट्रेनें पाइपलाइन में हैं, जिन्हें आने वाले वर्षों में बनाया जाएगा। अमृत भारत एक्सप्रेस के नाम से मशहूर इस पहली ट्रेन को पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाई थी। अमृत भारत ट्रेनें, जिन्हें पहले वंदे साधारण के नाम से जाना जाता था, 250 किमी प्रति घंटे की गति तक पहुंचने में सक्षम हैं।

अमृत भारत ट्रेनों के टिकट सस्ते होने की उम्मीद है, 1,000 किमी की यात्रा की लागत लगभग 454 रुपये होगी। ये गैर-एसी ट्रेनें हैं और इनमें द्वितीय श्रेणी, अनारक्षित कोच और स्लीपर कोच शामिल हैं। हालांकि, वैष्णव ने पहले उल्लेख किया था कि आगामी अमृत भारत एक्सप्रेस में देश भर के विभिन्न मार्गों पर सेवा देने वाले वातानुकूलित (एसी) और गैर-एसी दोनों कोच शामिल होंगे। अमृत भारत ट्रेन एक एलएचबी पुश-पुल ट्रेन है, जिसके दोनों सिरों पर बेहतर त्वरण के लिए लोकोमोटिव लगे हैं। यह रेल यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं प्रदान करता है जैसे सुंदर और आकर्षक डिजाइन वाली सीटें,

बेहतर सामान रैक, उपयुक्त मोबाइल धारकों के साथ मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, एलईडी लाइट्स, सीसीटीवी और एक सार्वजनिक सूचना प्रणाली आदि।

रिपोर्टों के अनुसार, ट्रेन में 22 डिब्बे शामिल हैं, जिनमें अनारक्षित यात्रियों के लिए 8 सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे, 12 द्वितीय श्रेणी के 3-स्तरीय स्लीपर डिब्बे और दो गार्ड डिब्बे शामिल हैं। उल्लेखनीय विशेषताओं में बेहतर गद्देदार सामान रैक, सौंदर्य की दृष्टि से मनभावन और एर्गोनॉमिक रूप से डिजाइन की गई सीटें और बर्थ और उपयुक्त धारकों के साथ मोबाइल चार्जर शामिल हैं। अमृत भारत एक्सप्रेस में शून्य-डिस्चार्ज एफआरपी मॉड्यूलर शौचालय, एयरोसोल-आधारित अग्नि शमन प्रणाली और रेडियम रोशनी फर्श स्ट्रिप्स जैसी कई सुविधाएं भी शामिल हैं। वर्तमान में, दो अमृत भारत ट्रेनें हैं- एक दरभंगा-आनंद विहार मार्ग पर और दूसरी मालदा-बेंगलुरु मार्ग पर।

..इटली में भी खालिस्तानियों ने गांधी प्रतिमा तोड़ी, यहीं आने वाले हैं मोदी-बाइडेन

रोम। कनाडा, अमेरिका और ब्रिटेन के बाद अब खालिस्तानी चरमपंथी इटली में भी नापाक हरकतें करने लगे हैं। इटली में बुधवार को महात्मा गांधी की प्रतिमा के उद्घाटन के कुछ ही घंटों बाद खालिस्तानी चरमपंथियों ने उसे तोड़ दिया। आरोपियों ने प्रतिमा के नीचे खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर से संबंधित विवादित नारे भी लिखे। भारत द्वारा आतंकवादी घोषित किए गए निज्जर की पिछले साल 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया में एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हालांकि घटना के बाद स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि इलाके को रिकॉर्ड समय में छान डाला है और जांच कर रहे हैं। यह घटना जी7 शिखर सम्मेलन से कुछ दिन पहले हुई जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी भाग लेंगे। 50वां जी7 शिखर सम्मेलन 13 से 15 जून तक इटली के अपुलिया क्षेत्र के बोर्गो एग्नाजिया के आलीशान रिसॉर्ट में आयोजित किया जाएगा। विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के निमंत्रण पर शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कल इटली के अपुलिया जाएंगे। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, घटना के बारे में बोलते हुए विदेश सचिव क्वात्रा ने कहा कि भारतीय अधिकारियों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा के साथ की गई तोड़फोड़ का मामला इतालवी अधिकारियों के समक्ष उठाया है।

चंद्राबाबू नायडू की आंध्र प्रदेश के सीएम के रूप में चौथी बार ताजपोशी

पीएम मोदी ने गले लगकर दी बधाई, पवन कल्याण बने डिप्टी सीएम

अमरावती। आंध्र प्रदेश में चंद्राबाबू नायडू ने बुधवार को चौथी बार सीएम पद की शपथ ली। चंद्राबाबू नायडू ने सबसे पहले पद और गोपनीयता की शपथ ली। इसके बाद जनसेना पार्टी के नेता पवन कल्याण ने शपथ ली। पवन कल्याण आंध्र के डिप्टी सीएम बनाए गए हैं।

नायडू मंत्रिमंडल में तेलगूदेशम के 21, जनसेना पार्टी के 3 और बीजेपी के एक मंत्री बनाए गए हैं। चंद्राबाबू की सरकार में उनके बेटे नारा लोकेश भी कैबिनेट मंत्री बनाए गए हैं। विजयवाड़ा के केसरपल्ली आईटी पार्क में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जे पी नड्डा, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, तेलंगाना बीजेपी के नेता जी.किशन रेड्डी, रामदास अठावले, एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल, पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वैंकेया नायडू, नितिन गडकरी, अनुप्रिया पटेल और महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे के अलावा एक्टर चिरंजीव, रजनीकांत शामिल हुए। 2019 में आंध्र में बुरी पराजय के बाद सत्ता गंवाने वाले चंद्राबाबू नायडू की कसम भी पूरी हो गई। 52 दिनों तक जेल में रहने के बाद उन्होंने बहुमत मिलने के बाद ही विधानसभा में दोबारा जाने की शपथ ली थी।

ओडिशा में पहली बार बनी भाजपा की सरकार

मोहन माझी ने सीएम और दो डिप्टी ने भी पद की शपथ

नई दिल्ली। ओडिशा में नई बीजेपी सरकार का शपथ ग्रहण समारोह बुधवार को हो गया और राज्य को 24 साल बाद मोहन चरण माझी के तौर पर एक नया मुख्यमंत्री मिला है। प्रधानमंत्री मोदी भी इस समारोह में शामिल हुए। मोहन चरण माझी के साथ बीजेपी के दो नेता कनक वर्धन सिंह देव और प्रवती परिदा ने उनके कैबिनेट में डिप्टी सीएम पद की शपथ ली। ओडिशा की बीजेपी सरकार में दो डिप्टी सीएम के अलावा आठ विधायक कैबिनेट मंत्री और चार विधायक राज्य मंत्री के तौर पर शपथ ले सकते हैं। बीजेपी ने विधानसभा चुनाव में नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बीजू जनता दल (बीजद) के 24 साल के शासन को समाप्त कर दिया है। अब चार बार के विधायक और प्रमुख आदिवासी नेता मोहन चरण माझी ने पदभार संभाल लिया है। पार्टी ने केवी सिंह देव और प्रवती परिदा को उपमुख्यमंत्री के रूप में भी चुना है। मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम के साथ कई मंत्री ने भी आज शपथ ली है। ओडिशा बीजेपी अध्यक्ष मनमोहन सामल ने जानकारी दी है कि प्रधानमंत्री मोदी शपथ ग्रहण समारोह के लिए दोपहर 2-30 बजे पहुंचे। शपथ ग्रहण समारोह शाम 5-00 के बाद शुरू हुआ। मुख्यमंत्री के तौर पर चुने गए मोहन चरण माझी के अलावा दो डिप्टी सीएम केवी सिंह देव और

प्रवती परिदा भी उनके सहयोगी रहेंगे। डिप्टी सीएम के रूप में चुने गए केवी सिंह देव, बलांगीर जिले के पटनागढ़ से छह बार के विधायक हैं और पटनागढ़ के शाही परिवार का हिस्सा हैं। वे 2019 में विधानसभा चुनाव हार गए थे लेकिन 2024 में जीतकर सामने आए हैं।

विकास के नाम पर काट दिए मां अहिल्या सघन वन योजना में लगाए हजारों पेड़

दो साल तक पौधों का रखा ध्यान, पेड़ बन गए तो कटवाने लगे

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर में पेड़ों की कटाई का विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। नए प्रोजेक्ट्स के लिए सरकार और प्रशासन अब ग्रीन बेल्ट की जमीन भी उपयोग में लेने लगा है। इसमें मल्हार आश्रम का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। दो साल पहले नगर निगम ने माता अहिल्या के जन्म के त्रिशताब्दी वर्ष में मां अहिल्या सघन वन योजना की शुरुआत की थी। इसके तहत कई संस्थाओं से यहां पर पौधे लगाने का आग्रह किया गया था। दो साल के बाद जब यह पौधे बड़े हो गए हैं तो अब निगम ने इन्हें काटना शुरू कर दिया है। यहां पर सीएम राइस स्कूल और स्पोर्ट्स सेंटर के प्रोजेक्ट आ रहे हैं। जिन संस्थाओं ने यहां पर पौधे लगाए थे वह अब इसका विरोध कर रहे हैं।

ग्राहक पंचायत के इंदौर महानगर अभा सचिव गोपाल साहू ने बताया कि हमें दो साल पहले बंजर जमीन दी गई थी। हमने इस जमीन पर खुदाई की, पानी की व्यवस्था की और पौधे लगाए। दो साल तक हमने इन पौधों का ध्यान रखा। अब ये पौधे बड़े हो गए हैं तो इन्हें काटा जा रहा है। गोपाल साहू अधिवक्ता भी हैं और उन्होंने बताया कि हमने नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, कलेक्टर आशीष सिंह और महापौर पुष्यमित्र भार्गव को इस विषय की जानकारी दी। इसके बाद महापौर ने प्रभारी अधिकारी विवेक उपाध्याय को मामले की जांच करने के लिए कहा। जांच के बाद प्रभारी अधिकारी ने हमें बताया कि यह जमीन पहले ग्रीन बेल्ट में थी लेकिन अब इसका लैंड यूज बदल दिया गया है। इस पर सीएम राइज स्कूल का काम शुरू हो रहा है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि मैंने जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारियों ने अभी मुझे रिपोर्ट नहीं दी है। शहर की संस्थाएं मेरे पास शिकायत लेकर आई थी। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही मैं कुछ कह पाऊंगा।

सौ साल पुराने पेड़ भी काटे गए, मलबे में दबा दिए
अमर उजाला ने ग्राउंड रिपोर्ट के दौरान जब यहां पर कटे हुए पेड़ों का जायजा लिया तो पता चला कि सौ से दो सौ साल पुराने पेड़ भी यहां पर बड़ी संख्या में काटे गए हैं। जगह जगह कटे हुए

पेड़ों के तने पड़े हुए हैं। इसके साथ कई जगह पेड़ों को काटकर मलबे में दबा दिया गया है ताकि किसी को पता न चल सके। मिट्टी हटने पर सिर्फ पेड़ों के कटे हुए तने दिखाई पड़ते हैं। इंदौर में हजारों पेड़ों की कटाई का अनुमान है। शहर की जनता, कई संस्थाएं और जनहित पार्टी इन पेड़ों की लिस्टिंग कर रही है। अनुमान के मुताबिक इंदौर में अगले कुछ महीनों में 28 हजार से अधिक पेड़ कटेंगे।

इन परियोजनाओं में ली पेड़ों की बलि
मेट्रो – एक हजार पेड़
खंडवा रोड परियोजना – पांच हजार पेड़
हुकुमचंद मिल – पांच हजार पेड़
एमओजी लाइन – दो हजार पेड़
मल्हार आश्रम – 15 हजार पेड़

निगम के पास पेड़ों की संख्या उपलब्ध नहीं
इंदौर नगर निगम के पास शहरी और ग्रामीण सीमा में उपलब्ध पेड़ों की संख्या उपलब्ध नहीं है। निगम को यह भी जानकारी नहीं है कि आगामी महीनों में आने वाले प्रोजेक्ट्स के लिए कितने पेड़ काटे जाने हैं। शहर की संस्थाएं निगम से यह डाटा सार्वजनिक करने की मांग कर रही हैं। जनहित पार्टी के अभय जैन ने कहा कि कितने पेड़ कटने वाले हैं इसका डाटा निगम को सार्वजनिक करना चाहिए। हम खुद हर जगह जाकर पेड़ों की नपती कर रहे हैं और कोर्ट के लिए डाटा जुटा रहे हैं। कोर्ट को डाटा देने के बाद हम सभी जगह पेड़ों की कटाई रुकवाएंगे।

हादसों पर लगाम लगाने के लिए खत्म किए जा रहे घाट, भेरू घाट में तीन सुरंगें तैयार

ढाई घंटे में खंडवा और एक घंटे में पहुंचेंगे ओंकारेश्वर

सिटी चीफ इंदौर।
आगामी वर्ष 2025 में इंदौर से खंडवा या अकोला जाते समय न वाहन चालकों को घुमावदार घाटों का सामना करना पड़ेगा और न ही तेज ढलान मिलेगा। इस हाइवे पर बढ़ते ट्रैफिक के दबाव को देखते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण 204 किलोमीटर हिस्से को फोरलेन बन रहा है। दोनों शहरों की दूरी और समय कम करने के साथ हादसों पर लगाम लगाने के लिए घाटों को भी खत्म किया गया है। भैरवा घाट में तीन सुरंगें लगभग तैयार हो चुकी हैं। तीनों सुरंगों के दोनों तरफ के सिरे भी खुल गए हैं।

काम पूरा होने के बाद तीनों सुरंगों से सरपट वाहन गुजरेंगे। पहाड़ों के बीच से करीब डेढ़ किलो मीटर लंबाई की इन सुरंगों से होकर वाहन गुजरेंगे। अब सुरंगों में सड़क बनेगी। फिलहाल सुरंगों को मजबूती देने के लिए स्टील के कर्व बनाए जा रहे हैं। सुरंगों के आगे की राह आसान करने के लिए सिमरोल घाट की खाई में फोरलेन ब्रिज बन रहा है, जिसकी लंबाई एक किलोमीटर

से ज्यादा है। खंडवा से सनावद तक के बीच सड़क का काम पूरा हो चुका है। अब घाट सेक्शन का काम ही बचा है, जो सालभर के भीतर पूरा हो जाएगा। इस हाइवे के बनने से खंडवा से इंदौर की सिर्फ ढाई घंटे में पहुंचा जा सकेगा। वहीं, ओंकारेश्वर तक इंदौर से एक घंटे के भीतर यात्री पहुंच सकेंगे। इंदौर उज्जैन मार्ग को आठ लेन किया जा रहा है। इसके बाद उज्जैन से ओंकारेश्वर तक का सफर डेढ़ घंटे में पूरा हो जाएगा। वाहन चालकों को इस हाइवे पर नई सड़क बनने के बाद ट्रैफिक जाम से भी मुक्ति मिल जाएगी। एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुमेश बांझल ने बताया कि समयसीमा में सुरंगों का निर्माण हो चुका है। बचे काम भी अगले साल तक पूरे हो जाएंगे। फोरलेन के बनने से खंडवा तक इंदौर से जाने का समय आधा हो जाएगा।

हैदराबाद की इंदौर से कनेक्टिविटी
इस सड़क के फोरलेन बनने से हैदराबाद की इंदौर से कनेक्टिविटी हो जाएगी। इंदौर-खंडवा फोरलेन अकोला से जुड़ेगा। अकोला से हैदराबाद के लिए भी सड़क तैयार हो रही है। खंडवा, बुरहानपुर निमाड़ के बड़े शहर हैं। निमाड़ के किसानों को अपनी उपज इंदौर या महाराष्ट्र तक पहुंचाने में आसानी होगी। खंडवा से इंदौर तक आने का समय अधिकतम तीन घंटे रहेगा। अभी पांच घंटे का समय लगता है। ओंकारेश्वर से उज्जैन के लिए कनेक्टिविटी बेहतर हो जाएगी। इस सड़क के बनने से पर्यटन बढ़ेगा। हनुमंतया, बुरहानपुर, सैलानी टापू जैसे पर्यटक स्थल ज्यादा प्रसिद्ध हो जाएंगे।

इंदौर-खंडवा फोरलेन प्रोजेक्ट
-तीन हिस्सों में 1,500 करोड़ रुपये खर्च कर हो रहा फोरलेन का काम
-×0 छोटे-बड़े ब्रिज, पुलिया बनाए जा रहे हैं और नर्मदा नदी पर एक बड़े ब्रिज का काम शुरू हो गया है
-तीन सुरंगों के निर्माण के लिए दस हजार से ज्यादा पेड़ काटे गए
-डेढ़ किलोमीटर लंबाई की सुरंगों से 20 किलोमीटर के घाट में सफर आसान होगा
-सुरंगों की ऊंचाई दस मीटर और चौड़ाई 16 मीटर है

वर्कशॉप में आग लगने के बाद प्रशासन ने सील किया कार शोरूम

सिटी चीफ इंदौर।
शहर के व्यावसायिक संस्थानों में अग्नि सुरक्षा के इंतजाम नहीं होने पर प्रशासन उन्हें सील कर रहा है। बुधवार को पलासिया के सांघी कार शोरूम को सील किया गया। इस शोरूम के वर्कशॉप पर मंगलवार को आग लग गई थी। इसमें दस से ज्यादा गाड़ियां जल गई थीं। बुधवार सुबह अफसर नगर निगम की टीम के साथ जांच के लिए पहुंचे। सबसे पहले टीम पलासिया क्षेत्र के सांघी मोटर्स में पहुंची। यहां पर्याप्त अग्नि सुरक्षा के इंतजाम नहीं पाए गए, जबकि यहां 80 से ज्यादा लोगों से स्टाफ काम करता है। आग से बचने के लिए आपातकालीन दरवाजा भी संस्थान में नहीं था। टीम ने उस वर्कशॉप को भी सील कर दिया, जहां आग लगने से दस कारें जल गई थीं। इसके बाद टीम आनंद बाजार स्थित रॉफेल टॉवर पहुंची। इस बिल्डिंग में 15 से ज्यादा दफ्तर, कोचिंग संस्थान व शॉप संचालित होती हैं। इसके बावजूद आग से बचाने के लिए कोई इंतजाम बिल्डिंग में नहीं थे। बिल्डिंग को खाली कराने के बाद उसे सील कर दिया गया। कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा कि शहर की बड़ी इमारतों को अग्नि सुरक्षा के इंतजाम कराने के लिए पर्याप्त समय दिया गया है। यदि इसमें लापरवाही बरती जा रही है तो फिर बिल्डिंगों को सील किया जाएगा।

पीथमपुर की फैक्टी में लगी आग सुबह तक नहीं बुझी
पीथमपुर की फैक्टी में लगी आग को काबू पाने में फायर ब्रिगेड को बड़ी मुश्किल हुई। आग बुझाने के लिए सेना की दमकलें भी मौके पर पहुंची। मंगलवार को लगी आग बुधवार सुबह तक नहीं बुझ पाई थी।

विश्व नेत्रदान दिवस पर नेत्रदानी परिवार को स्मृति चिह्न भेंट कर किया सम्मान

सिटी चीफ इंदौर।
विश्व नेत्रदान दिवस की श्रृंखला में शंकरा आई हॉस्पिटल द्वारा हॉस्पिटल के सभागार में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें नेत्रदानी परिवार के सदस्य को स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में अंधत्व निवारण के लिए समर्पित सभी संस्थाओं और कार्यकर्ताओं के साथ अपने परिजन के (कार्निया) नेत्रदान करने वाले और कार्निया दान प्राप्त करने वाले परिवार जो दृष्टिबाधित से दिव्य रोशनी की ओर लौटे वह सभी सदस्य शामिल हुए। मुख्य अतिथि सांसद शंकर लालवानी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. संजय दीक्षित द्वारा की गई। इस मौके पर सभी आगंतुक संस्था प्रतिनिधि और

उपस्थित नेत्रदानी परिवार को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। इसी के अंतर्गत गोल्ड कॉईन सेवा ट्रस्ट के द्वारा जो नेत्रदान में समन्वय किया गया उसके लिए संजय अग्रवाल, संदीप नागर, अनिल अग्रवाल ने उपस्थित होकर स्मृति चिह्न प्राप्त किया। कार्यक्रम में डॉ. सर्जन अंकित देवकर ने पावर पाइंट (पीपी) के माध्यम से नेत्रदान कब क्यों और कैसे कर सकते हैं उसको विस्तार से बताया गया। आभार डॉ. ऋतुराज शर्मा ने माना।

छत्रसाल मंडल के पदाधिकारी विधानसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ कर रहे थे काम

बीजेपी विरोधी काम करने पर दो नेताओं को किया बाहर

सिटी चीफ इंदौर।
बीजेपी ने अपने दो नेताओं पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया है। बताया जा रहा है कि जिन नेताओं को बाहर का रास्ता दिखाया है वह वरिष्ठ नेताओं की नसीहत के बाद भी क्षेत्रीय पार्षद को लेकर सोशल मीडिया पर टीका-टिप्पणी कर रहे थे।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के शहर अध्यक्ष दिनेश वर्मा ने बताया कि छत्रसाल मंडल के मंडल अध्यक्ष नरेंद्र जरिया और मीडिया

प्रभारी प्रहलाद चौहान को उनके पद से हटा दिया है। दोनों के ही खिलाफ लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि यह पार्टी के विरोध में टिप्पणी करते हैं। वहीं दोनों ने ही विधानसभा चुनाव में भी इन्होंने विधानसभा 5 में पार्टी के खिलाफ काम किया था। तब दोनों को ही नोटिस देकर जवाब मांगा गया था। लेकिन नोटिस के बाद भी इनकी पार्टी विरोधी गतिविधियां जारी रहीं तो नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे को जानकारी दी गई और उनकी सहमति के बाद इन्हें पदमुक्त कर दिया गया। बताया जा रहा है कि दोनों पदाधिकारी भाजपा के पूर्व पार्षद के खास थे और वर्तमान पार्षद संगीता महेश जोशी को लेकर भी टीका-टिप्पणी किया करते थे।

बाइक चलाते समय आया हार्ट अटैक, गाड़ी रोककर साले को किया कॉल, अस्पताल में दम तोड़ा

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर के कनाड़िया में एक प्रॉपर्टी ब्रोकर को बाइक पर बैठे-बैठे हार्ट अटैक आ गया। बताया जाता है कि रात में वह अपना काम निपटाकर घर लौट रहे थे। अचानक उन्हें रास्ते में अटैक आया। उन्होंने गाड़ी एक तरफ कर अपने साले को कॉल किया। साला उन्हें लेकर अस्पताल पहुंचा। लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। कनाड़िया पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बिचौली मर्दाना में राधेश्याम (41) पुत्र शंकरलाल पटेल निवासी हुकुमचंद कॉलोनी की तबीयत खराब हो गई थी। उन्होंने अपने साले मयंक को कॉल किया। मयंक उन्हें देखने पहुंचा। और तुरंत गाड़ी से निजी अस्पताल लेकर गया। डॉक्टरों ने रात में उन्हें एमवाय अस्पताल भेज दिया। यहां पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जल गंगा संवर्धन जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत सफाई अभियान मेंवार्ड नम्बर 4 में खेर माई मंदिर व तालाब, कुआं की सफाई की गई

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ मैहर
आज वार्ड नम्बर 04 पटेहरा में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिला प्रशासन मैहर नगर पालिका परिषद के अगुवाई में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद स्वैक्षिक संगठनों की सहभागिता से खेर माई मंदिर के पास कुआ व तालाब की साफ सफाई की गई, एवं वार्ड वासियों सहित नपा सांसद प्रतिनिधि संतोष सोनी एवम नपा सीएमओ लालजी ताम्रकार की मौजूदगी में स्वच्छता की शपथ दिलाई गई इस दौरान तालाब व कुआ के साथ खेर माई मन्दिर के आसपास कैसे विकसित किया जाए इस पर भी विस्तार से चर्चा हुई साथ ही तालाब के किनारे पीछे मुक्तिधाम के साथ तालाब के किनारे पक्की दुकान करीब 1 दर्जन व साथ मे खेर माई मन्दिर के आसपास की शासकीय भूमि पर लाइटिंग व पार्क पर विचार विमर्श किया गया जिसमें संतोष सोनी द्वारा कहा गया कि जल्द ही

इस पर बैठक कर फाइल आगे बढ़ाई जाएगी और पटेहरा तालाब व मुक्ति धाम , कुआ , खेरमाई मन्दिर की कायाकल्प किया जायेगा। इस साफ सफाई के दौरान वार्ड पार्षद केशव कुशवाहा सहित नगर पालिका परिषद के कर्मचारी दयाराम शुक्ला, रोहड़ी तिवारी, छोटू सिंह सफाई प्रभारी, सहित पत्रकार गोवर्धन गुप्ता व अभियान के जिम्मेदार समस्त नपा कर्मचारी एवं मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के डॉ राजेश तिवारी जिला समन्वयक को मार्गदर्शन ब्लॉक समन्वयक जगन सिंह, जीके नेतृत्व में नवांकुर स्वैक्षिक संगठनों के प्रतिनिधि मनोज शुक्ला, अनिकेत पाल, दीप्ति सिंह, राजकुमार विश्वकर्मा के कांधी कोरी प्रदीप पटेल नगर पालिका के ब्रांड एंबेसडर छोटू मैनी अमरेंद्र मिश्रा सुखेंद्र सिंह साथ-साथ नगर के पटेहरा मोहल्ला के सभी समाजसेवी उपस्थित रहकर अपना श्रमदान में भाग लिया।

मैहर के ककरा ग्राम में श्रीधाम वृन्दावन से पधारी भागवत मर्मज्ञ पूज्य देवी मधु प्रिया तिवारी के मुखार विंद से श्रीमदभागवत कथा का कराया जा रहा रसपान

मिश्रा । सिटी चीफ मैहर। थाना बदेरा के ग्राम ककरा में सामूहिक साप्ताहिक भागवत महापुराण का भव्य आयोजन किया जा रहा है जिसमें श्री धाम वृंदावन से पधारी श्री मदभागवत कथा मर्मज्ञ पूज्य देवी मधुप्रिया तिवारी के मुखारविंद से कथा को अमृतधारा का रसपान कराया जा रहा है, जिसके चलते पुरा क्षेत्र का माहौल भक्तिमय हो चला है, गांव और आसपास के क्षेत्र से काफ़ी संख्या में पूज्य देवी मधुप्रिया की ओजस्वी और अमृतमयी वाणी को सुनने के लिए लोग कथा स्थल में पंहुच रहे हैं। आज कथा के तीसरे दिवस में तीनों लोकों के स्वामी भगवान विष्णु के श्रीकृष्ण अवतार की सुंदर कथा सुनाई गई तथा उनके जन्मोत्सव को धूमधाम से मनाया गया,इस अवसर पर काफ़ी तादात में आमजनमानस तथा ग्रामवासी उपस्थित रहे। ग्राम ककरा के सभी लोगों के द्वारा क्षेत्र के सभी लोगों से विनम्र अपील की जा रही है की सभी लोग इस बहती हुई ज्ञानगंगा में आकर कथा श्रवण करें।

भाजपा ने विंध्य को फिर नहीं माना मंत्री पद लायक, लगातार सभी सीटें देने के बाद भी उपेक्षा जारी

कांग्रेस कार्यकाल में विंध्य को मिला था प्रतिनिधित्व, कुं. अर्जुन सिंह बनाए गए थे एचआरडी मिनिस्टर

निवास मिश्रा 7 सिटी चीफ मैहर। केंद्र में तीसरी बार मोदी मंत्रिमंडल का गठन हो चुका है। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से पांच सांसदों को केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह दी गई है। लेकिन विंध्य को फिर किनारे कर दिया गया है। उम्मीद थी कि इस बार विंध्य से किसी न किसी सांसद को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया जायेगा लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। एक बार फिर विंध्य के लोगों को निराशा हाथ लगी है। जबकि पिछले तीन चुनावों से विंध्य की जनता भाजपा का ही सांसद चुन रही है लेकिन भाजपा ने हर बार विंध्य को नजर अंदाज किया है। इससे विंध्य के लोगों में मायूसी है।बता दें कि स्व. अर्जुन सिंह के बाद विंध्य के किसी भी नेता को केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिल पायी है। 2024 के चुनाव में भाजपा गठबंधन सरकार में विंध्य को महत्व मिलने का कयास लगाया जा रहा था। वजह यह कि सतना से लगातार पांच चुनाव जीत कर गणेश सिंह, रीवा से लगातार तीन बार चुनाव जीत कर जनार्दन मिश्रा और शहडोल से लगातार दूसरी बार चुनाव जीत कर हिमाद्री सिंह संसद तक पहुंची थी। माना जा रहा था कि पिछड़ा वर्ग कोटे से गणेश सिंह को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। यदि गणेश सिंह को नहीं लिया गया तो आदिवासी कोटे से हिमाद्री सिंह को शामिल किया जायेगा। सामान्य कोटे से जनार्दन को भी लिया जा सकता है लेकिन ऐसा नहीं हुआ। किसी सांसद को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया।कांग्रेस ने दिया था विंध्य को तवज्जोपिछले तीन दशक में भाजपा 6 बार सत्ता में आई। पूर्व प्रधानमंत्री स्व अटल बिहारी बाजापेयी के नेतृत्व में 13 दिन, फिर 13 महीने और पूरे पांच साल। 2014 से लगातार मोदी सरकार है। लेकिन किसी कार्यकाल में विंध्य के किसी नेता को महत्व नहीं दिया गया। इसके पूर्व कांग्रेस केंद्रीय कैबिनेट में शामिल किया गया था। 2004 के बाद मनमोहन सिंह सरकार में लगातार दो बार अर्जुन सिंह को केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री बनाया गया। इसके बाद किसी का नंबर ही नहीं लगालगातार तीन चुनावों से भाजपा का है कब्जाबता दें कि विंध्य में चार लोक सभा सीटें हैं। पिछले तीन चुनावों से विंध्य की सभी सीटों पर पर भाजपा का कब्जा है। 2014 में रीवा से जनार्दन मिश्रा, सतना से गणेश सिंह, सीधी से रीती पाठक, शहडोल दलपत सिंह परस्ते, 2019 में रीवा से जनार्दन मिश्रा, सतना गणेश सिंह, सीधी रीती पाठक व शहडोल से हिमादी सिंह और 2024 में रीवा से फिर जनार्दन मिश्रा, सतना से गणेश सिंह, शहडोल से हिमादी सिंह और सीधी भाजपा के नए कंडीडेट डॉ राजेश मिश्रा को जीत मिली। इसके पूर्व विंध्य की आधी सीटों में भाजपा की कब्जा रहा है। इसके बावजूद विंध्य की उपेक्षा लोगों को खल रही है।

ऐशबाग में एफओबी नहीं बनने से रोजाना 25 हजार से अधिक राहगीर होते हैं परेशान

8 माह में बनाने का किया था दावा, 9 महीने बाद भी अधूरा

सिटी चीफ भोपाल।
ऐशबाग फुटओवर ब्रिज (एफओबी) प्रोजेक्ट का काम पिछले नौ महीने से ठंडे बस्ते में है । इस एफओबी का निर्माण तीन करोड़ की लागत से किया जाना था। पिछले साल सितंबर माह में इस एफओबी का काम बड़े जोर-शोर से शुरू किया गया था। तब लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने दावा किया था कि आठ महीने में यह ब्रिज बनकर तैयार हो जाएगा, लेकिन यह ब्रिज नौ महीने में भी बन नहीं पाया। इसके चलते ऐशबाग से बनखेड़ी की ओर रोजाना आने-जाने वाले करीब 25 हजार से अधिक राहगीरों को डेढ़ किलोमीटर घूमकर आवाजाही करनी पड़ रही है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि जब से बरखेड़ी रेलवे फाटक बंद हुआ है, तब से राहगीर परेशान हैं । आपको जानकर हैरत होगी कि पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने बीते नौ महीने में एफओबी निर्माण के लिए रेलवे क्रासिंग के दोनों तरफ चार-चार पिलर के बीम भर खड़े किए हैं। रेलवे क्रासिंग पर बनाए जाने वाले एफओबी का निर्माण रेलवे के नहीं मिल रहे सहयोग की वजह से लंबे समय से अटका हुआ है। पीडब्ल्यूडी के जिम्मेदार अधिकारी बताते हैं कि ट्रेनों की आवाजाही जब इस रूट पर बंद होगी, तब ही एफओबी का काम हो पाएगा। एफओबी का स्ट्रक्चर तैयार है । उस सिर्फ फिट करना है । चूंकि रेलवे पटरी पर ट्रेनों की आवाजाही जारी है। इस कारण यह काम नहीं हो पा रहा, जैसे ही रूट क्लियर मिलेगा, तुरंत एफओबी के स्ट्रक्चर को फिट कर दिया जाएगा।

जान जोखिम में डालकर निकल रहे राहगीर

ऐशबाग से बरखेड़ी की तरफ जाने वाले राहगीर रोजाना अपनी जान को जोखिम में डालकर पटरी क्रास करते हैं। दरअसल जिस स्थान पर ब्रिज बनाया जाना है। उधर रेलवे द्वारा दीवार पटरी के दोनों तरफ दीवार बनाई गई थी, ताकि कोई निकल ना सके। चूंकि वहां एफओबी का काम शुरू हुआ तो प्रोजेक्ट स्थल पर बनाई दीवार को तोड़ दिया गया। इसके चलते अधिकांश राहगीर लंबा चक्कर लगाने से बचने के लिए उक्त स्थल से अपनी जान को जोखिम में डालकर पटरी पार करते हैं। इससे यहां हमेशा हादसे की आशंका बनी रहती है।

फैक्ट फाइल

2023 को शुरू हुआ था प्रोजेक्ट पर काम
03 करोड़ की लागत से बनाया जाना है एफओबी
08 महीने रखी गई थी प्रोजेक्ट की समय सीमा
17.0 लंबी और 1.80 मीटर सीढ़ियों की चौड़ाई
10 फीट एफओबी की चौड़ाई
60 मीटर एफओबी की लंबाई
36.20 मीटर और 30 मीटर पुल के डेक स्लैब की लंबाई

इनका कहना है

एफओबी का स्ट्रक्चर बनकर तैयार है। जैसे ही रेलवे रूट क्लियर करके देगा। एफओबी के स्ट्रक्चर को फिट कर दिया जाएगा। सिविल वर्क के तहत पिलर के बीम खड़े किए जा चुके हैं।
रवि शुक्ला, एसडीओ, पीडब्ल्यूडी भोपाल

काटजू अस्पताल में फायर सेफ्टी का निरीक्षण, प्रेशर मशीन निकली खराब

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी के टीटीनगर क्षेत्र में एसडीएम की टीम ने अस्पताल और भीड़ वाली जगहों पर फायर सेफ्टी को लेकर जांच की। इस दौरान एसडीएम अर्चना शर्मा और फायर अधिकारी काटजू अस्पताल निरीक्षण के लिए पहुंचे, तो उन्हें वहां खामियां नजर आईं। जब पानी फेंकने वाली प्रेशर मशीन को जांचा गया, तो उसने काम ही नहीं किया। पानी नहीं आने से एसडीएम ने अस्पताल प्रबंधक को फटकार लगाई। हालांकि, एक घंटे बाद प्रेशर मशीन को ठीक करा लिया गया। टीम यहां से अनंतश्री व आस्था अस्पताल में भी जांच करने पहुंची। जहां खामियां मिलने पर उन्हें दुरुस्त करने की हिदायत दी गई।

एसडीएम ने बताया कि जिला प्रशासन, नगर निगम की टीमें अस्पतालों में जांच करने के लिए गई। काटजू अस्पताल में जब पानी चेक किया गया, तो प्रेशर मशीन ने पानी ही नहीं दिया। ऐसे में आग लगने पर यहां बड़ा हादसा होने से इंकार नहीं किया जा सकता है। प्रबंधन ने बताया कि प्रेशर मशीन में तकनीकी खराबी की वजह से पानी नहीं आ रहा था, जिसे दुरुस्त करा लिया गया है। जांच के दौरान मिली इन खामियों को लेकर एसडीएम ने तीनों अस्पताल प्रबंधकों को नोटिस दिए हैं। एसडीएम ने कहा कि अस्पतालों में काम करने वाले सभी कर्मचारियों को इमरजेंसी में आग से बचाव का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने पूजा-अर्चना कर संभाला कृषि मंत्रालय का पद, निरीक्षण कर कर्मचारियों से की चर्चा

राजनीति हमारे लिए कर्मकांड नहीं, सेवा का माध्यम है : शिवराज

सिटी चीफ भोपाल।
केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली में मंगलवार को कृषि मंत्रालय में पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण के बाद कृषि मंत्रालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंत्रालय के लिफ्ट मैन, पीयून, क्लर्क स्तर के कर्मचारियों से चर्चा की।
उन्होंने कहा कि मंत्रालय में मौजूद सभी सफाई कर्मी, प्यून हमारे साथी है और हमारे लिए महत्वपूर्ण है।
शिवराज ने कंट्रोल एंड कमांड सेंटर, मिनिस्ट्री ऑफ एग्रीकल्चर की विजट कर महत्वपूर्ण जानकारी ली। कमांड सेंटर में देश के विभिन्न राज्यों की वर्तमान में फसल की स्थिति, क्रॉप वेदर की स्थिति, वर्षा की स्थिति, कम वर्षा या ड्राट एरिया की जानकारी सहित विभिन्न फसलों की जानकारी प्राप्त की।

मोदी की गारंटी का संकल्प पत्र सौंपा

शिवराज ने अधिकारियों को प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी का संकल्प पत्र सौंपा। संकल्प पत्र देने के बाद चौहान ने कृषि विभाग की टीम को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मैं यह अंतरात्मा से कह रहा हूं कि काम मेरे लिए पूजा है, दिन रात मिलकर काम करेंगे। राजनीति हमारे लिए कर्मकांड नहीं, सेवा का माध्यम है। उन्होंने कहा कि आज मैं मोदी जी की गारंटी का संकल्प पत्र आपको सौंप रहा हूं, इसे हर हाल में हमें पूरा करना है। एक एक क्षण का उपयोग करना है। मोदी जी विजनरी लीडर है, उनके मार्गदर्शन में संकल्प पत्र में दिए कार्यों को समय के साथ पूरा करने के रोडमैप पर काम करें।

अन्न दाता की जिंदगी बदलना हमारा मिशन है

शिवराज ने मंत्रालय के अधिकारियों से कहा कि यह आपका सौभाग्य है कि आप सब देश के लिए महत्वपूर्ण काम कर रहे है। देश का भविष्य और भाग्य बदलने का काम आप कर रहे है। भारत कृषि क्षेत्र में अद्भुत काम कर रहा है, इसे और बेहतर करना है, अपनी पूरी क्षमताओं के साथ काम करना है। काम कोई एक या तीन मंत्री नहीं करते, पूरी टीम मिलकर काम करती है, कमिटमेंट के साथ करती है। हमारे विभाग का नाम कृषि के साथ किसान कल्याण है, मतलब अन्नदाता का कल्याण, उनकी जिंदगी बदलना ही हमारा मिशन है।

सब चीजें समझे बिना दिल्ली नहीं छोड़ूगा

कृषि मंत्री ने कहा कि हमें अपनी टीम के हर सदस्य की टीम के टेलेंट का सर्वोच्च उपयोग करना है। जो अनुभवी हैं, विशेषज्ञ हैं उनका मार्गदर्शन लेना है। हम करोड़ों करोड़ लोगों के लिए काम कर रहे हैं, पूरी तरह से पारदर्शी व्यवस्था रहे, यह मैं पहले दिन से कह रहा हूं। उन्होंने कहा कि मैं आपका सर्वश्रेष्ठ चाहता हूं, मैं सब चीजें समझे बिना दिल्ली नहीं छोड़ूगा। पूरी जानकारी चाहिए। भले ही प्रेजेंटेशन दो घंटे नहीं, चार छह घंटे चले लेकिन मुझे पूरी जानकारी चाहिए, मैं आज देर शाम तक मंत्रालय में ही बैठके करूंगा ।

क्राइम ब्रांच की 18 पुलिस कर्मियों की टीम ने पकड़ा दो किलो गांजा, चार थानों की पुलिस को नहीं थी लगने दी भनक

थाने के सामने ही ग्राहकों को बेच रहे थे गांजा, तीन गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी की क्राइम ब्रांच ने मंगलवार को तीन मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से दो किग्रा गांजा बरामद किया। इस तस्करों को गिरफ्तार करने के लिए 18 पुलिस कर्मियों की टीम लगी हुई थी। मजेदार बात यह है कि गोविंदपुरा थाने के सामने ही माल की डिलीवरी की जा रही थी और गिरफ्तार एक आरोपित का पुराना आपराधिक रिकार्ड है। तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआइआर दर्ज कर ली है। क्राइम ब्रांच के मुताबिक आनंद नगर चौकी के पीछे थाना पिपलानी निवासी 20 वर्षीय सौरभ वंशकार,शिव नगर आनंद नगर थाना पिपलानी निवासी 22 वर्षीय अखिल चौधरी ,गादियापुरा आनंद नगर थाना पिपलानी निवासी 20 वर्षीय राज पाटिल को दो किग्रा गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया है। थाने लाकर उनकी तलाशी लेने पर उनके पास से दो किग्रा गांजा बरामद हुआ है।

एक आरोपी का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड

क्राइम ब्रांच ने गांजा बेचते आरोपियों को गोविंदपुरा थाने के सामने भेल दशहरा मैदान से गिरफ्तार किया गया है। वह गांजा थाने के सामने ही ग्राहकों को डिलीवरी दे रहे थे। सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच की टीम ने उन्हें घेराबंदी कर पकड़ा गया है। गिरफ्तार एक आरोपित का पुराना आपराधिक रिकार्ड है, इसमें अखिल चौधरी पर अपहरण और दुष्कर्म का मामला 2021 में बिलखिरिया थाने में दर्ज है। पिपलानी में अवैध हथियार के साथ पकड़ा गया था। जबकि बाकी दोनों का आपराधिक रिकार्ड खंगाला जा रहा है।

अब सीहोर में भी रुकेगी भोपाल-डॉ.आंबेडकर नगर इंटरसिटी एक्सप्रेस

सिटी चीफ भोपाल।
यात्रियों की सुविधा एवं आम जनता की मांग पर रेल मंत्रालय द्वारा पश्चिम मध्य रेल से प्रारंभ, टर्मिनेट होने वाली ट्रेन 19323-19324 डा. अम्बेडकर नगर-भोपाल-डा.अम्बेडकर नगर इंटरसिटी एक्सप्रेस का सीहोर स्टेशन पर दो मिनट का ठहराव देने का निर्णय लिया गया है। यात्री ट्रेन के ठहराव की जानकारी स्टेशन, रेल मदद 139 से प्राप्त कर सकते है। ट्रेन 19323 डा. अम्बेडकर नगर-भोपाल इंटरसिटी एक्सप्रेस का सीहोर में आगमन-प्रस्थान सुबह 09:30, 09:32 बजे एवं ट्रेन 19324 भोपाल-डा.अम्बेडकर नगर इंटरसिटी एक्सप्रेस का सीहोर में शाम 7:45, 17:47 बजे दोनों दिशाओं में 11 जून 2024 से दिया जा रहा है। इसको लेकर लम्बे समय से सीहोर की जनता मांग कर रही थी।

प्रदेश के युवाओं को मिलेगा प्रतिभा दिखाने का प्लेटफॉर्म, सिंधिया कप की शुरुआत

आईपीएल की तरह 15 जून से शुरू होगा एमपीएल

सिटी चीफ भोपाल।
मध्य प्रदेश में आईपीएल की तर्ज पर मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग की शुरूआत होने जा रही है। इसमें प्रदेश के युवा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। एमपीएल सिंधिया कप 15 जून से 23 जून के बीच होगा। इसके मैच ग्वालियर में खेले जाएंगे। एमपीएल के चेयरमैन केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बेटे महाआर्यमन सिंधिया है। सोमवार को महाआर्यमन सिंधिया एमपीएल की सेरेमनी में शामिल हुए। इस कार्यक्रम के संबोधन में उन्होंने कहा कि मेरा नहीं मेरे दादाजी का विजन था। वो हमेशा चाहते थे कि प्रदेश में एक लीग हो, जिससे हमारे प्रदेश के खिलाड़ियों को एक मंच मिले। उनको रोजगार मिले और अनुभव के साथ ही अपनी प्रतिभा को दिखाने का प्लेटफॉर्म मिले।

महाआर्यमन सिंधिया ने कहा कि इसे ही मैंने अपना लक्ष्य बनाया। इस लीग से मुझे काफी कुछ सीखने को मिला है। उन्होंने कहा कि अब हमारे मध्य प्रदेश की आईपीएल टीम होंगी। मुझे आशा है कि इस साल हम बहुत सफल होंगे। महाआर्यमन ने कहा कि मेरा उद्देश्य खेल है, क्रिकेट है। पिता जी के आदेश के पालन भी है। उन्होंने कहा कि एमपीएल के आयोजन से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ देश के लिए खेलने का मौका मिलेगा। एमपीएल में पांच टीमें हिस्सा लेगी। इसमें भोपाल लेपर्ड, ग्वालियर चीता, जबलपुर लायंस, मालवा पैंथर और रीवा जगुआर है। इसके सभी मैच ग्वालियर में आयोजित किए जाएंगे।

संभागायुक्त ने प्रत्येक टीम के आपसी समन्वय और प्रशिक्षण के दिए निर्देश

बारिश से पहले हटेगा नालों और पुलों पर पसरा अतिक्रमण

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर नदी-नालों और जल भराव वाले सभी क्षेत्रों सहित पुल-पुलियों और बसाहट में हुए अतिक्रमण की पहचान कर उसे हटाने की कार्रवाई शुरू करें। इसके साथ ही नालों और नालियों की साफ-सफाई प्रमुखता से की जाए।
सभी जिलों में बाढ़ नियंत्रण कक्ष सक्रिय रहें और प्रत्येक कार्य के लिए अलग-अलग नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए त्वरित कार्रवाई के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

यह निर्देश संभागायुक्त डा. पवन कुमार शर्मा ने मंगलवार को भोपाल और नर्मदापुरम संभाग के सभी जिलों के कलेक्टरों को दिए हैं। वह बाढ़ से निपटने के लिए की गई तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे।

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि जिले में बाढ़ नियंत्रण कक्ष सक्रिय कर दिया गया है साथ ही संभावित जलभराव वाले स्थानों को चिह्नित कर लिया गया है। नालों की सफाई का कार्य पूर्व से ही चल रहा है।

जलभराव की समस्या से निपटने सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

संभागायुक्त ने कहा कि बाढ़ राहत और बचाव के लिए आवश्यकतानुसार अलग-अलग दल बनाकर हर जिले में वाट्सएप समूह भी बनाने के लिए कहा है। उन्होंने बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्रों में स्वास्थ्य अमले, खाद्यान्न आदि की व्यवस्था के साथ अस्थायी आश्रय स्थलों का अभी से चयन करने के लिए कहा है। उन्होंने प्रत्येक टीम के आपसी समन्वय और प्रशिक्षण के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पुलिस, राजस्व, नगर निगम और नगर पालिका,जल संसाधन, लोक निर्माण, आपदा प्रबंधन आदि विभागों को तत्काल प्लान बनाकर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।सभी कलेक्टर अपने-अपने जिलों के जलाशयों की स्थिति का आकलन कर लें और अतिवर्षा की स्थिति में जलाशयों से पानी छोड़ने की विस्तृत और समयबद्ध रणनीति बनाएं।
अचानक पानी छोड़ने की स्थिति नहीं आना चाहिए और डेम की लगातार मानीटरिंग कर ऐसी प्लानिंग होना चाहिए कि बाढ़ की स्थिति ही पैदा नहीं हो।
उन्होंने हर डेम के लिए अलग-अलग नोडल अधिकारी बनाने के लिए भी कहा है।

सम्पादकीय

सरकार से दरकार समतामूलक विकास ही हो एजेंडा

अब चाहे देश को विकसित राष्ट्र बनाने की बात हो या फिर तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की बात, यह काम गठबंधन के सहयोगी दलों व व विपक्ष के साथ बेहतर सामंजस्य के साथ ही संभव हो सकता है। विकास के बड़े लक्ष्यों को हासिल करने से पहले देश में बेरोजगारी कम करने व समतामूलक विकास की स्थापना मोदी सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।

गठबंधन धर्म की जरूरतों के मुताबिक, नरेंद्र मोदी सरकार की तीसरी पारी का जंबो मंत्रिमंडल अपरिहार्य था। जाहिरा तौर पर मंत्रिमंडल के गठन में अनुभव,युवा, जातीय समीकरण, गठबंधन के दायित्व और आगामी विधानसभा चुनाव की प्राथमिकताएं स्पष्ट नजर आती हैं। जिसके चलते तीस कैबिनेट मंत्रियों को ताजपोशी हुई है। बहत्तर सदस्यीय मंत्रिमंडल में तीस कैबिनेट मंत्रियों में बिहार को तरजीह देना स्वाभाविक ही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू गठबंधन में एक बड़ा सहयोगी घटक है। वहीं मंत्रिमंडल में बड़े घटक टीडीपी व जद (सेक्यूलर) की भी उपस्थिति है। उत्तर प्रदेश में जातीय समीकरण गड़बड़ाने के बाद चालीस से अधिक ओबीसी, एससी व अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधियों को मंत्रिमंडल में जगह मिली है। मध्यप्रदेश, हरियाणा व कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री भी मंत्रिमंडल का हिस्सा हैं। दरअसल, महाराष्ट्र, हरियाणा व झारखंड के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर भी इन राज्यों के ज्यादा मंत्रियों को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। वहीं दूसरी ओर पंजाब में तेरह सीटों में एक भी प्रत्याशी के सफल न होने के बावजूद 2027 के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर नया युवा नेतृत्व तैयार करने की कवायद शुरू की गई है। पूर्व कांग्रेसी सांसद रवनीत सिंह बिट्टू को मंत्रिमंडल में शामिल करना इसी रणनीति का हिस्सा है। कह सकते हैं कि मंत्रिमंडल के गठन में संवेदनशील ढंग से रणनीति को अंजाम दिया गया। विश्वास किया जाना चाहिए कि लंबे चले चुनाव प्रचार अभियान में जो राजनीतिक व सामाजिक तौर पर कथित बांटने की कवायद वोटों के लिए की गई, उस पर अब विराम लगना ही चाहिए। आशा करें कि नई सरकार कार्यभार संभालने के बाद विकास को अपनी प्राथमिकता बनाएगी। जब हम भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की बात करते हैं तो पहली शर्त यही होगी कि कथित तौर पर विभाजनकारी राजनीति से परहेज करके सिर्फ और सिर्फ विकास के मुद्दे पर सरकार अपना ध्यान केंद्रित करे। आरोप-प्रत्यारोपों की राजनीति पर विराम लगाकर मिलजुलकर देश को नई दिशा देने का प्रयास होना चाहिए। बहरहाल, अब कहा जा रहा है कि आजादी के बाद यह दूसरा अवसर है जब पं. नेहरू की तरह लगातार तीसरी बार भाजपा नीत सरकार बनी है। ऐसे कहने का अर्थ है कि सरकार की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। तब तुलना यह भी की जाएगी कि किस सरकार के कार्यकाल में हकीकत के धरातल पर ज्यादा विकास हुआ। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल पर देश-दुनिया की निगाहें लगी हैं। गठबंधन सरकार को पिछली सरकारों से बेहतर प्रदर्शन करके भी दिखाना होगा। राजग सरकार को स्वीकारना होगा कि यह एक गठबंधन सरकार है। यूं तो पिछली सरकार में भी राजग गठबंधन अस्तित्व में था, लेकिन इस बार पूर्ण बहुमत न मिलने के कारण भाजपा की सहयोगी दलों पर निर्भरता बढ़ गई है। जिसके चलते मोदी सरकार के लिये पिछले कार्यकाल की तरह पार्टी के एजेंडे को लागू करने में खुला हाथ न मिलेगा। जाहिर है कि भाजपा को कई महत्वाकांक्षी मुद्दों मसलन 'एक देश, एक चुनाव' व यूनिफॉर्म सिविल कोड आदि के क्रियान्वयन को ठंडे बस्ते में डालना पड़ सकता है। गठबंधन की मजबूरी के साथ ही सरकार को अपेक्षाकृत ज्यादा मजबूत विपक्ष से सामना करना पड़ेगा। निस्संदेह, शासन-प्रशासन का नरेंद्र मोदी के पास लंबा अनुभव है, लेकिन इस बार लचीलेपन का भी सहारा लेना पड़ेगा। हालांकि, राजग में नेतृत्व तय करने व मंत्रिमंडल गठन में सहयोगी दलों का बड़ा दबाव नजर नहीं आया, लेकिन भविष्य की चुनौतियों से इनकार नहीं किया जा सकता। बहरहाल, विकास कार्यों को गति देने में सरकार को दिक्कत नहीं आनी चाहिए। वैसे भी नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू विकास के लिये प्रतिबद्ध मुख्यमंत्रियों के रूप में याद किये जाते हैं। कोशिश हो कि राजनीतिक विरोधियों को भी साथ लेकर चला जाए ताकि संसद के पिछले कार्यकाल में पैदा हुआ गतिरोध फिर से न दोहराया जाए। बहरहाल, अब चाहे देश को विकसित राष्ट्र बनाने की बात हो या फिर तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की बात, यह काम गठबंधन के सहयोगी दलों व व विपक्ष के साथ बेहतर सामंजस्य के साथ ही संभव हो सकता है। विकास के बड़े लक्ष्यों को हासिल करने से पहले देश में बेरोजगारी कम करने व समतामूलक विकास की स्थापना मोदी सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।

भाजपा क्यों पिछड़ी? आखिर क्यों चेता रहा है आरएसएस?

लोकसभा चुनाव परिणाम भारतीय जनता पार्टी के लिए एक चेतावनी है। मतदाताओं ने इस बार उसे सिर्फ हड़काकर छोड़ दिया है। अगर इस पर भी वह नहीं चेतती है और पार्टी तथा सरकार की कार्यशैली में बदलाव नहीं आता है तो अगली बार उसे विपक्ष में बैठने को तैयार रहना चाहिए। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने भी सार्वजनिक रूप से मोदी सरकार के कामकाज और व्यवहार से अप्रसन्नता व्यक्त कर उसे सुधरने की नसीहत दी है। हर काम का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी द्वारा खुद लेने को भी उन्होंने अच्छा नहीं माना है। मणिपुर में एक साल से जारी हिंसा पर केंद्र की उदासीनता पर भी संघ प्रमुख ने केंद्र सरकार को आड़े हाथ लिया है। बेशक मोदी सरकार ने अनेक ऐतिहासिक काम किए जो आजादी के तुरंत बाद होने चाहिए थे। देश की आर्थिक स्थिति सुधरी है। विश्व में देश की प्रतिष्ठा बढ़ी है। भ्रष्टाचार मुक्त सरकार दिया है। आतंकी कार्रवाईयां और नक्सली हिंसा पर करीब करीब काबू पा लिया गया है। डिजर्विंग व्यक्तियों के चयन से पद्म सम्मान का %सम्मान% बढ़ा है। हर घर शौचालय और स्वच्छता के प्रति जागरूकता की दिशा में सराहनीय कार्य हुए हैं। और भी कई अच्छे काम हुए हैं। इसके बाद भी जनता ने इस सरकार को अपेक्षित समर्थन क्यों नहीं दिया, इस पर गहन चिंतन की जरुरत है। खुद प्रधानमंत्री मोदी की काशी से एक लाख 52 हज़ार वोटों से जीत यह दर्शाती है कि वहां के वोटर भी उनसे खुश नहीं हैं। काशी के लिए इतना काम करने के बाद भी मोदी के वोट क्यों घटे? इस पर खुद मोदी जी को विचार करना चाहिए। अयोध्या की हार भाजपा के मुंह पर एक बड़ा तमाचा है। कहां चूक हुई? वहां के मतदाता क्यों मुंह फेर लिए? %जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे% का नारा क्यों हवा में उड़ गया ? %मेरा बूथ सबसे मजबूत% और %पन्ना प्रमुख% की परिकल्पना क्यों नाकाम रही? पार्टी को इस पर विचार करना चाहिए।

आखिर क्यों अलर्ट होना चाहिए भाजपा को?

अच्छा काम और मजबूत नेता की छवि के बाद भी यूपी में भाजपा के औंधे मुंह गिरने के पीछे क्या पार्टी के अंदर की गुटबाजी जिम्मेवार है? पता नहीं इसमें कितनी सच्चाई है लेकिन यह चर्चा आम है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बढ़ते कद को छोटा करने के लिए साजिश के तहत कमजोर और बदनाम उम्मीदवार दिए गए? अगर ऐसा हुआ है तो फिर भाजपा का पतन तय है। यह भी लांक्षन लग रहा है कि भाजपा का कांग्रेसी करण होता जा रहा है। भाजपा का केंद्रीकरण और उसके नेताओं की आत्ममुग्धता उसके लिए घातक हुई। मोदी ने अपने मंत्रियों को उभरने नहीं दिया। हर जगह वे ही वे नजर आए। मंत्रियों की हैसियत सहयोगियों की नहीं सहायक की कर दी गई थी। इस ओर संघ प्रमुख ने भी इशारा किया है। हालांकि यह भी सही है कि हमारा देश व्यक्ति पूजक है, समाज पूजक नहीं।

मेडिकल छात्रों को न्याय मिले

सवाल है कि क्या मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम यानी नीट दुरुस्त तरीके से हुए हैं। नीट के रिजल्ट आए कुछ दिन बीत चुके हैं, लेकिन छात्रों में भ्रम आज भी बरकरार है। लाखों बच्चों को समझ नहीं आ रहा कि वे एनटीए ने जो नतीजे घोषित किए हैं, क्या उन्हें ही आखिरी मान लें या फिर दोबारा परीक्षा की तैयारी में जुट जाएं। इस मामले में छात्रों के हितों को सुरक्षित रखा जाना जरूरी है।

नीट परीक्षा को लेकर जिस तरह पूरे देश में बवाल मचा है, उसे देखकर यह सवाल उठने लगा है कि क्या नीट यूजी परीक्षा के नतीजे रद्द किए जाएंगे और नीट यूजी की परीक्षा एक बार फिर से कराई जाएगी। मालूम हो कि जब मई में नीट यूजी के पेपर हो रहे थे उस समय भी कई जगहों पर पेपर लीक की सूचनाएं आई थीं। तब भी तमाम अभ्यर्थियों ने इसको कैंसिल करने और दोबारा पेपर कराने की मांग की थी, लेकिन उस समय इस पर कुछ नहीं हुआ। अब जब रिजल्ट आया है तो एक बार फिर यह मामला गर्म हो गया है। हालांकि इस पर अभी तक स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। वर्ष 2024 में नीट की परीक्षा में लगभग 24 लाख बच्चे शामिल हुए थे। इनमें से 13 लाख से अधिक पास हुए। इसमें भी खास बात यह है कि इस बार की नीट परीक्षा के रिजल्ट में 67 बच्चों को टॉपर घोषित किया गया है। इन टॉपर्स को 720 में से 720 अंक मिले हैं। कुछ बच्चों को 718 और 719 नंबर तक मिले हैं, जिसके बाद नीट रिजल्ट को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। तमाम लोगों ने रिजल्ट को लेकर परीक्षा कराने वाली एजेंसी एनटीए को भी कटघरे में खड़ा किया है, हालांकि एनटीए ने अपने आरोपों पर सफाई भी दी है। उसके बाद भी कुछ अभ्यर्थियों ने मध्य प्रदेश हाईकोई में नीट के रिजल्ट को लेकर याचिका दायर कर दी है। इससे पहले जब नीट की परीक्षा 5 मई 2024 को हुई थी, उस समय राजस्थान के एक परीक्षा केंद्र पर यूजी पेपर लीक की खबरें आई थीं, जिसके बाद नीट यूजी परीक्षा के पेपर लीक का हवाला देते हुए कुछ उम्मीदवारों ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की और इस परीक्षा को नए सिरे से कराने की मांग की।

सुप्रीम कोर्ट ने जुलाई में सुनवाई करने की बात कही है। वर्ष 2015 में एमबीबीएस, बीडीएस एडमिशन के लिए नेशनल लेवल मेडिकल प्रवेश परीक्षा (ऑल इंडिया प्री मेडिकल टेस्ट) हुआ करती थी। तब यह परीक्षा सीबीएसई कराता था। उस समय भी पेपर लीक की खबरें आई थीं। आरोप था कि एग्जाम सेंटर्स पर इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेस पर स्टूडेंट्स को क्वेश्चन पेपर के आंसर की भेजे गए हैं। उस समय भी यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। तब 3 मई को परीक्षा हुई थी और 5 जून को रिजल्ट आना था। कोर्ट ने 15 जून को दिए अपने फैसले में कहा कि मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम कैंसिल किया जाए और परीक्षा 4 हफ्ते में दोबारा से ली जाए। अब इस बार कोर्ट का क्या फैसला होता है, यह तो देखने वाली बात है, लेकिन इस बार परीक्षा कैंसिल जैसी कोई बात नजर नहीं आ रही। भारत में नीट को लागू हुए एक दशक से कुछ ही ज्यादा समय हुआ है और इसने ठहरे हुए पत्थर पर काई जमने जितनी बदनामी बटोर ली है। इसमें सबसे ताजा यह है कि नीट का संचालन कराने वाली राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को 2024 के लिए हुई मेडिकल की पात्रता एवं प्रवेश परीक्षा को लेकर लगाए गए आरोपों की जांच के वास्ते एक चार सदस्यीय समिति नियुक्त करनी पड़ी है। छह केंद्रों के लगभग 1500 छात्रों ने शिकायत की कि उन्हें परीक्षा पूरी करने के लिए पूरा समय नहीं दिया गया। ऐसा विभिन्न वजहों से हुआ। गलत प्रश्नपत्र का वितरण, फटी हुई ओएमआर शीट, तकनीकी गड़बड़ियां और ओएमआर शीट के वितरण में देरी।

अदालत ने प्रभावित छात्रों को ग्रेस मार्क्स देने की इजाजत दी। नतीजे प्रकाशित होने के बाद यह देखा गया कि कुछ छात्रों को 720 में 718 और 719 अंक मिले, जो मौजूदा मूल्यांकन पद्धति में असंभव है। यह भी आरोप था कि असामान्य रूप से ज्यादा संख्या में छात्रों ने पूरे अंक हासिल किए। एनटीए ने बाद में यह साफ किया कि अजीब लग रहे अंक अदालत के आदेशानुसार ग्रेस मार्क्स दिए जाने का नतीजा है और चूंकि यह एक आसान प्रश्नपत्र था, इसलिए कई सारे छात्रों ने पूरे अंक प्राप्त किए। लेकिन बात इतनी ही नहीं थी। परीक्षा से पहले नीट यूजी का प्रश्नपत्र लीक होने की खबरें आई थीं। एनटीए नीट यूजी की आधिकारिक उत्तर कुंजी में अशुद्धियां होने की बात कही गई थी और यूजी प्रश्नपत्रों के विसंगतिपूर्ण मूल्यांकन के आरोप थे। राजनीतिक दलों ने इन आरोपों की गहन जांच किसी सक्षम तृतीय पक्ष से कराने की मांग की है। और, छात्रों के समूहों ने भी दोबारा परीक्षा की मांग उठाई है। हर साल, खराब ढंग से प्रबंधित परीक्षा केंद्रों और अभ्यर्थियों को क्या पहनने की इजाजत है, इसे लेकर फिजूल की कड़ाई के आरोप सामने आते हैं। कदाचार (चीटिंग) से जुड़े ऐसे घपले उजागर हुए हैं जहां अभ्यर्थियों ने परीक्षा देने के लिए अपनी जगह दूसरों को भेजा है। याद रहे कि नीट को हर साल होने वाली सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षाओं में से एक माना जाता है। लगभग 23 लाख छात्रों के इस परीक्षा में शामिल होने के मद्देनजर, इसमें कोई अचरज नहीं कि नीट का एक उतार-चढ़ाव भरा अतीत है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस पैमाने पर होने वाली परीक्षा को पूरी तरह त्रुटिहीन बनाना असंभव है। लेकिन साल दर साल परीक्षा के दौरान घोर उल्लंघनों की खबरें सुर्खियां बन रही हैं। एनटीए को राज्यों की मदद से यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीकी गड़बड़ियां और कदाचार से जुड़े घपले न हों। इसमें प्रश्नपत्रों का समय से पहले जारी होना और वास्तविक अभ्यर्थी की जगह दूसरों का इस्तेमाल शामिल है।

अगर यह अधिक सख्ती बरतने और एक ज्यादा लंबी व ज्यादा सतर्कता भरी तैयारी से संभव है, तो ऐसा करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जानी चाहिए। इसके अलावा इन मांगों पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि नीट के सभी दाखिले सिंगल विंडो काउंसिलिंग के तहत आएं और पीजी दाखिलों के लिए जीरो पर्सेंटाइल मानदंड का पुनर्मूल्यांकन हो। साथ ही निजी मेडिकल कॉलेजों में फीस का सख्त नियमन हो। कुल मिला कर इस साल नीट में हुई खटपट का मामला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। अब कुछ पीड़ितों ने न्याय की आस में देश की सर्वोच्च अदालत का दरवाजा खटखटा दिया है। सवाल है कि क्या मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम यानी नीट दुरुस्त तरीके से हुए हैं। नीट के रिजल्ट आए कुछ दिन बीत चुके हैं, लेकिन छात्रों में भ्रम आज भी बरकरार है। लाखों बच्चों को समझ नहीं आ रहा कि वे एनटीए ने जो नतीजे घोषित किए हैं, क्या उन्हें ही आखिरी मान लें या फिर दोबारा परीक्षा की तैयारी में जुट जाएं। इस मामले में छात्रों के हितों को सुरक्षित रखा जाना जरूरी है। मेडिकल छात्रों को न्याय मिलना चाहिए। जो छात्र कई सालों से इसमें कामयाबी की बात देख रहे थे, तथाकथित परीक्षा से जुड़ी अनियमितताओं ने उनका भविष्य खराब कर दिया है। इसके लिए देश हित में जिम्मेवारी को नियत किया जाए और प्रशासनिक लापरवाही के लिए पुनः परीक्षा आयोजित करना ही उपयुक्त होगा। छात्रों के साथ अगर अन्याय होता है तो उनके डिप्रेशन में चले जाने की संभावनाएं रहती हैं।

पहाड़ः अपनी ही जिंदगी से यह कैसी लापरवाही

ट्रैकिंग के लिए जरूरी है सटीक जानकारी

बीते 29 मई को गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग से सिल्ला गांव की ओर कुस-कल्याण होते हुए सहस्त्रताल (14,500 फुट) तक ट्रैकिंग के लिए कर्नाटक और महाराष्ट्र के 22 लोग बर्फीली हवा में फंस गए थे, जिनमें छह महिलाओं समेत नौ लोगों की मौत हो गई। शेष 13 लोगों को राज्य एवं केंद्र सरकार की आपदा प्रबंधन एजेंसी और वायुसेना की मदद से बचाया गया। वर्ष 2021 में आईटीबीपी पेट्रोलिंग के दौरान हिमस्खलन से तीन कुलियों की मौत हो गई थी। वर्ष 2022 में द्रौपदी का डांडा-2 चोटी पर चढ़ाई के दौरान हिमस्खलन में 28 लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2023 में रूनसारा-ताला ट्रैक और गंगोत्री कालिंदी खाल में तीन ट्रैकर्स की मौत हो गई थी, जबकि मौसम विभाग ने अलर्ट भी किया था। हिमालय में साहसिक पर्यटन और पर्वतारोहण के लिए लाखों देशी-विदेशी सैलानी प्रतिवर्ष ऊंची-ऊंची बर्फीली चोटियों पर पहुंचकर गौरवान्वित महसूस करते हैं। लेकिन पीढ़ियों से रह रहे स्थानीय लोग ही बता सकते हैं कि किस महीने में किस चोटी पर जाना अधिक उचित और सुरक्षित हो सकता है। स्थानीय लोग भी बड़ी संख्या में प्रतिवर्ष सहस्त्रताल पहुंचने के लिए खड़ी चढ़ाई पार करते हैं। लेकिन उनके वहां जाने का समय जुलाई के अंतिम सप्ताह से सितंबर के अंत तक है। वहां ऐसे अनेकों रास्ते हैं, जहां से बहुत सारे लोग बस्तियों तक पहुंच जाते हैं। अप्रैल से जून तक तेजी से बर्फ पिघलने का समय होता है, इसलिए बर्फीले तूफान भी आते हैं। जुलाई के बाद बारिश होने से बर्फीले तूफान की गति धीमी पड़ जाती है और बर्फ पिघलना कम हो जाता है। इन महीनों में उच्च हिमालयी क्षेत्रों में बहुत पतली वर्षा देखने को मिलती है, जिसमें भीगने पर पर्यटकों को आनंद महसूस होता है। यहां ब्रह्मकमल के पुष्प और बुग्याल के मनोरम दृश्य, सामने ऊंची चोटियों पर चांदी की तरह चमकने वाली बर्फ स्वर्ग का एहसास कराती है। सहस्त्रताल ग्लेशियर लगभग 40 किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। सहस्त्रताल नाम इसलिए है कि यहां पर बर्फ की सैकड़ों झीलें हैं, जहां से धर्मगंगा, बालगंगा, भिलंगना, पिलंगना जैसी पवित्र नदियां बहकर टिहरी बांध के जलाशय में भागीरथी में मिलती हैं। इसलिए सहस्त्रताल ट्रैकिंग के लिए टिहरी गढ़वाल के प्रसिद्ध तीर्थ बूढ़ा केदारनाथ और भिलंग से होकर भी जाते हैं। चूंकि ऊंचाई पर ऑक्सीजन की बहुत कमी हो जाती है, इसलिए 60 वर्ष से ऊपर के लोगों को वहां पहुंचने में कठिनाई होती है। यहां ट्रैकिंग पर निकले 22 लोगों की टीम में चार लोग 60 वर्ष से ऊपर थे, जिनका पहले स्वास्थ्य परीक्षण भी नहीं किया गया था। उनके पास ट्रैकिंग संबंधी पर्याप्त संसाधन भी उपलब्ध नहीं थे। उत्तरकाशी के जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने एक स्थानीय ट्रैकिंग एजेंसी पर रोक लगाई है, क्योंकि उसने 22 ट्रैकर्स के साथ मात्र तीन पोर्टल गाइड ही भेजे थे। इसके लिए कोई %मानक संचालन प्रक्रिया% (एसओपी) भी नहीं बनाई गई है। सच्चाई यह भी है कि स्थानीय ट्रैकिंग एजेंसियों का काम सिंगल विंडो सिस्टम में पंजीकरण और गाइड उपलब्ध कराने तक ही सीमित है। बड़ी ट्रैकिंग कंपनियों से कम बजट मिलने से भी स्थानीय एजेंसियां नियमों के पालन पर ज्यादा ध्यान नहीं देतीं। स्थानीय मौसम और उपयुक्त समय को नजर अंदाज करने वाली बंगलूरू, दिल्ली, मुंबई, गुरुग्राम, पुणे, कोलकाता आदि की मुनाफाखोर ऑनलाइन एग्रीगेटर कंपनियां भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। कुछ स्थान ऐसे हैं, जहां जाने के लिए पर्वतारोहण जैसे अभियान के स्तर की तैयारी होनी चाहिए। नेहरू पर्वतारोहण संस्थान के प्रधानाचार्य कर्नल अंशुमन भदौरिया कहते हैं कि ट्रैकिंग व पर्वतारोहण अभियान के दौरान मौसम पूर्वानुमान लेना जरूरी होता है। जलवायु परिवर्तन के दौर में कम और अनुभवहीन कर्मचारी को 20-25 पर्यटकों को संभालने का दायित्व सौंपना खतरनाक हो सकता है। हिमालय के ऊंचे क्षेत्रों में पर्यटकों के पहुंचने से पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचता है, क्योंकि वे जंगल की लकड़ी से खाना बनाकर आग भी नहीं बुझाते और कूड़ा-कचरा भी छोड़कर चले आते हैं। सिंगल विंडो सिस्टम में ट्रैकिंग अनुभव और बीमा की निगरानी व परीक्षण की तो कोई बात ही नहीं है। इसके लिए अब एसओपी बनाने पर विचार किया जा रहा है। अगर अब भी लापरवाही बरती गई, तो सैलानियों के जीवन की सुरक्षा मुश्किल में पड़ जाएगी।

पांडियन का पराभव, जिसमें दृष्टिगत हैं परोक्ष वापसी की पूरी संभावनाएं

मोहन चरण माझी ने ओडिशा में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है, लेकिन इन चुनावों में चर्चाओं में रहे आईएएस अफसर से नेता बने वीके पांडियन की अविश्वसनीय कहानी की मिसाल भारतीय राजनीति में पहले शायद ही कभी देखी गई होगी। राजनीति में इतना छोटा कॅरिअर भी शायद ही किसी और नेता का होगा। नौकरी से इस्तीफा देने के बाद 27 नवंबर, 2023 को उन्होंने औपचारिक रूप से राजनीति में प्रवेश किया और ओडिशा के तत्कालीन सत्तारूढ़ पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) में शामिल हुए। लेकिन?चुनाव में पार्टी की करारी हार के बाद नौ जून को उन्होंने सक्रिय?राजनीति से संन्यास लेने का एलान कर डाला।?उनका राजनीतिक जीवन सिर्फ 195 दिनों का रहा। सन 2000 में आईएएस बनने के बाद वह सफलता की सीढ़ियां चढ़ते?गए। अपनी मेहनत और लीक से हटकर काम करने की असाधारण क्षमता के कारण उन्होंने खूब प्रशंसा बटोरी। पहले मयूरभंज, फिर गंजाम जिले के कलेक्टर के रूप में उनके द्वारा किए गए अच्छे कामों को लोग आज भी याद करते हैं। दोनों ही जिलों में कामों?के लिए उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत भी किया गया । ये सबथीं एक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में पांडियन की उपलब्धियां। लेकिन सत्ता की राजनीति में उनका प्रवेश तब हुआ, जब गंजाम के जिलाधीश के रूप में उनके काम से प्रभावित होकर मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने उन्हें सन 2011 में अपना निजी सचिव बनाया। अपनी काबिलियत के जरिये पांडियन ने नवीन का विश्वास जीता और धीरे-धीरे अपनी काया विस्तार करने लगे । 2019 में लगातार पांचवीं बार चुनाव जीतने के बाद नवीन पटनायक ने सरकार को अधिक लोकाभिमुखी करने के लिए 5टी (टीमवर्क, टेक्नोलॉजी, ट्रांसपेरेंसी, ट्रांसफॉर्मेशन और टाइमलाइन) नामक एक नया विभाग खोला और पांडियन को इसका सचिव बना दिया। सरकार के सभी विभागों को इस नए विभाग के अंदर लाया गया। इसके बाद सरकार में पांडियन का दबदबा और भी बढ़ गया। पांडियन के नौकरी से इस्तीफा देने के बाद उन्हें इस विभाग का अध्यक्ष बना दिया गया, ताकि सरकार में उनकी पकड़ बनी रहे। और 2019 के चुनाव के बाद नवीन ने अपने निवास से बाहर निकलना लगभग बंद कर दिया और दल व सरकार दोनों का पूरा जिम्मा पांडियन को सौंप दिया। कोविड के बाद मुख्यमंत्री न सचिवालय गए, न विधानसभा। कैबिनेट की बैठक में भी वे वीडियो लिंक के जरिये अध्यक्षता करने लगे। अपने दल के नेता, मंत्री, विधायकों से मिलना उन्होंने लगभग बंद कर दिया। यहां तक कि राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के लिए भी सलाह-मशवरे के लिए मुख्यमंत्री से मिलना दूभर हो गया और वे पांडियन के आदेश पर काम करने लगे। अब पांडियन की महत्वाकांक्षा बढ़ने लगी और वह राज्य सरकार के चॉपर का इस्तेमाल कर पूरे राज्य का दौरा करने लगे। बहाना था कि लोगों से उनकी शिकायतें लेकर तत्काल कार्रवाई करना। बाद में पता चला कि पांडियन राजनीति में प्रवेश करने के लिए अपनी जमीन तैयार कर रहे थे। वह जहां भी गए पूरा स्थानीय प्रशासन, स्थानीय नेता, विधायक और मंत्री उनकी सेवा करते हुए नजर आए। मंच पर पांडियन के अलावा कोई भी देखने को नहीं मिला। साफ था कि उनकी ताजपोशी की तैयारी चल रही थी। इस बात की जमकर चर्चा हुई कि वह नवीन के उत्तराधिकारी हैं। नवीन ने ऐसी चर्चाओं का खंडन करने की कोशिश भी नहीं की, जिससे ओडिशा के लोगों में यह धारणा और भी पुख्ता होती गई कि नवीन ने पांडियन को अपना उत्तराधिकारी बनाने का मन बना लिया है। इस धारणा को तब और बल मिला, जब पांडियन ने औपचारिक रूप से बीजद में योगदान किया। इस वर्ष मार्च में जब बीजद और भाजपा के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत चल रही थी, तब बीजद की ओर से पांडियन ही इसके सूत्रधर थे।

ओटीटी प्लेटफॉर्म को खतरा मानते हैं सुधीर बाबू, कहा- कमाई पर पड़ता है असर, अपनी ओर से दिया सुझाव

दक्षिण भारतीय अभिनेता सुधीर बाबू जल्द ही हरोम हारा फिल्म में नजर आने वाले हैं। फिल्म को रिलीज होने में केवल एक दिन बचा है। इसे 14 जून को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। पिछले कई दिनों से सुधीर बाबू इसके प्रचार में जुटे हुए हैं। इसी सिलसिले में उन्होंने एक प्रचार कार्यक्रम में ओटीटी प्लेटफॉर्म को लेकर खुलकर अपनी राय रखी।

कमाई पर पड़ रहा है असर
तेलुगु 123 वेबसाइट की रिपोर्ट के मुताबिक, सुधीर बाबू ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपनी चिंता जाहिर की है। वो ओटीटी को फिल्म इंडस्ट्री के लिए खतरे के तौर पर देखते हैं। सुधीर बाबू का मानना है कि ओटीटी की वजह से फिल्मों की थिएटर में होने वाली कमाई पर असर पड़ता है। इसलिए इस दिशा में कुछ नियम लागू करने चाहिए।

ओटीटी से निर्माताओं को मिल रही अच्छी डील सुधीर बाबू ने कहा कि थिएटर में फिल्मों को ज्यादा दिनों तक चलना चाहिए। उन्होंने बताया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म की ओर से फिल्म निर्माताओं को अच्छी डील मिल जाती है। इसके चलते बहुत कम समय में ही फिल्में ओटीटी पर रिलीज हो जाती है। उन्होंने कहा कि कुछ फिल्मों के साथ तो ऐसा होता है कि महज दो या तीन हफ्तों के बाद ही वो ओटीटी पर आ जाती हैं।

सुधीर ने दिया यह सुझाव
सुधीर ने आगे कहा कि इस बात को समझना चाहिए कि यह एक खेल की तरह है। आने वाले दिनों में ओटीटी प्लेटफॉर्म अपनी शर्तें तय कर सकते हैं। सुधीर ने थोड़े समय के लिए होने वाले मुनाफे के बारे में सोचने से भविष्य में होने वाले नुकसान की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता रहा तो भविष्य में फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज ही नहीं होंगी। सुधीर ने अपनी ओर से सुझाव देते हुए कहा कि थिएटर रिलीज और ओटीटी रिलीज के बीच 40 से 50 दिनों का अंतर होना चाहिए।

कैसे मिला था फरदीन खान को हीरामंडी में वली का किरदार, बोले- चुनौतीपूर्ण समय रहा..

फरदीन खान ने लंबे समय के बाद निर्देशक संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार से मनोरंजन जगत में वापसी की है। इस वेब सीरीज में फरदीन का काम काफी सराहनीय रहा है। उन्होंने संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित वेब सीरीज हीरामंडी में नवाब वली बिन जायद अल मोहम्मद का किरदार निभाया है। लेकिन उन्हें वापसी पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। उन्होंने ट्रोलिंग से निपटने के अपने दौर को कठिन बताया। साथ ही यह भी बताया कि कैसे उन्हें हीरामंडी में वली का किरदार मिला।

मनोरंजन जगत में वापसी
मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फरदीन खान ने कहा, यह बेहद ही रचनात्मक घटना थी। मनोरंजन जगत में वापसी वाकई में मेरे लिए बेहद कठिन थी, लेकिन यह मेरे लिए एक चुनौतीपूर्ण समय था। मनोरंजन की दुनिया आपको हर एक चीज से लड़ना सीखा देती है, क्योंकि काम के लिए आपको कई बार धक्के भी खाने पड़ते हैं। फिर, आपको खुद से यह सवाल करना होता है कि खुद को अहम महसूस कराने के लिए, आपके के लिए दूसरों की राय कितनी मायने रखती है। मेरा मतलब है, मैं कई सालों तक इंडस्ट्री से कटा हुआ था। जब मैं वापस लौटा हूं तो मुझे उस तरह का ध्यान मिला, जिसने मुझे आश्चर्यचकित कर दिया।

कैसे मिला वली का किरदा इस सीरीज में फरदीन खान के अभिनय की जमकर तारीफ हुई। प्रशंसकों को उनकी वापसी बेहद पसंद आई और उन्हें उनका काम वेब सीरीज में बेहतरीन लगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इंटरव्यू के दौरान फरदीन ने यह भी बताया कि कैसे एक इवेंट में शामिल होने के दौरान उन्होंने सीरीज के कास्टिंग डायरेक्टर श्रुति महाजन का ध्यान अपनी ओर खींचा। उन्होंने कहा, मुझे एक अवॉर्ड फंक्शन में श्रुति महाजन ने देखा, जिन्होंने सालों तक मिस्टर भंसाली के साथ मिलकर काम किया है। मुझे नहीं पता कि वह वहां मौजूद थीं या उन्होंने मुझे टीवी पर देखा था, लेकिन उन्हें लगा कि मैं वली के किरदार के लिए बिल्कुल सही हूं। दरअसल, जब मैं अबू धाबी से वापस आया तो श्रुति महाजन ने मुझे फोन किया और मुझसे कहा कि वे चाहती हैं कि मैं भंसाली और उनकी टीम से मिलूं। मैं इतने लंबे समय से फिल्मों से दूर था, इसलिए वे सिर्फ यह देखना चाहती थीं, कि क्या मैं वाकई इस किरदार के लिए सही रहूंगा या नहीं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फरदीन खान की आने वाली फिल्मों की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म खेल खेल में में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके अलावा अक्षय कुमार, तापसी पन्नू, एमी विर्क, आदित्य सील और प्रज्ञा जैसवाल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म 15 अगस्त को रिलीज हो सकती है। बता दें कि भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विपुल डी शाह, अश्विन वर्दे, राजेश बहल, शशिकांत सिन्हा और अजय राय द्वारा निर्मित, खेल खेल में एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है। इसके अलावा हीरामंडी 2 का एलान हो चुका है, तो हो सकता है कि एक बार फिर से फरदीन वेब सीरीज में वली के किरदार में नजर आएं।

ममूटी ने कभी विज्ञापन में किया था इस अभिनेत्री के साथ काम, अब फिल्म में आ सकते हैं नजर

दक्षिण भारतीय अभिनेता ममूटी के प्रशंसक उनकी आने वाली फिल्मों पर टकटकी लगाए बैठे रहते हैं। ममूटी ने इस साल अपनी फिल्म ब्रमायुगम से बड़े परदे पर जलवा बिखेरा था। टिकट खिड़की पर फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी। वहीं, उनकी पिछली फिल्म टर्बो पर हिट का ठप्पा लग चुका है। अब उनकी एक और नई फिल्म को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। कहा जा रहा है कि इसमें एक बड़ी अभिनेत्री भी काम करती हुई दिख सकती है।

इस अभिनेत्री के साथ कर सकते हैं काम! तेलुगु 123 वेबसाइट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इन दिनों तेजी से इस बात की चर्चा चल रही है कि ममूटी निर्देशक गौतम वासुदेव मेनन के साथ एक फिल्म पर काम कर रहे हैं। चर्चा केवल इतनी ही नहीं है, बल्कि यह भी कहा जा रहा है कि इस फिल्म में ममूटी के साथ सामंथा रूथ प्रभु को भी लिया जा सकता है। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म हो सकती है।

15 जून से शुरू हो सकती है शूटिंग फिल्म की शूटिंग को लेकर भी चर्चा चल रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म की शूटिंग 15 जून से चेन्नई में शुरू हो जाएगी और ममूटी 20 जून से काम शुरू करेंगे। फिल्म का निर्माण ममूटी कम्पानी द्वारा किया जाएगा। मालूम हो कि ममूटी और सामंथा इससे पहले एक साथ एक विज्ञापन में काम कर चुके हैं। ममूटी की आने वाली फिल्मों में कडुगन्नावा ओरु यात्रा और बाजूका शामिल हैं। सामंथा की बात करें तो वो जल्द ही वरुण धवन के साथ अमेरिकन सीरीज सिटाडेल के भारतीय संस्करण में नजर आएंगी, जिसका निर्देशन राज और डीके ने किया है।

फिल्मों में एक साथ धमाल मचा चुके हैं असल जिंदगी के ये कपल, लिस्ट में शंहशाह भी शामिल

बॉलीवुड में कई बार फिल्मों के सेट पर कई प्रेम कहानियां पनपती हैं। धीरे-धीरे इन सितारों में जान-पहचान बढ़ती है और प्यार हो जाता है। कुछ प्यार वाली कहानियां आधे रास्ते में दम तोड़ देती हैं, तो कुछ रिश्तों के हिस्से में शादी का सुख आता है।

चलिए आज आपको हम कुछ ऐसी ही जोड़ियों के बारे में बताते हैं जो प्यार के बाद में शादी के बंधन में बंधे हैं और आज पति-पत्नी हैं। साथ ही साथ ये अपनी फिल्मों में भी पति-पत्नी की भूमिका निभा चुके हैं इस लिस्ट में बॉलीवुड के शहंशाह का नाम सबसे पहले स्थान पर आता है।

असल जिंदगी के पॉवरफुल कपल अमिताभ बच्चन और जया बच्चन कई फिल्मों में साथ नजर आ चुके हैं। इतना ही नहीं कई फिल्मों में वे पति-पत्नी की भूमिका निभा कर दर्शकों के दिलों को जीत चुके हैं।

नॉर्थ अमेरिका में कल्कि 2898 एडी का जलवा शुरू, प्री-बुकिंग में तोड़ा आरआरआर का रिकॉर्ड

अभिनेता प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म की रिलीज की तारीख पास आती जा रही है। ऐसे में इसका प्रचार भी जोर पकड़ने लगा है। फिल्म 27 जून, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म के टिकट की प्री-बुकिंग शुरू हो चुकी है। बड़ी खबर यह है कि प्री-बुकिंग के मामले में इस फिल्म ने आरआरआर का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

प्री-बुकिंग में की इतनी कमाई
मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कल्कि 2898 एडी रिलीज से पहले ही विदेशों में धुआंधार कमाई कर रही है। उत्तरी अमेरिका में तो इसने एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित आरआरआर का भी रिकॉर्ड तोड़ डाला है। दरअसल, कल्कि 2898 एडी ने प्री-बुकिंग में .1 मिलियन (भारतीय मुदा में 8.35 करोड़ रुपये) से यादा कमा लिए है और ऐसा करने वाली सबसे तेज भारतीय फिल्म भी बन गई है। वहीं, आरआरआर की बात करें तो उसे .1 मिलियन तक पहुंचने में यादा समय लगा था।

टूट सकते हैं कई रिकॉर्ड
जिस तेजी से कल्कि 2898 एडी प्री-बुकिंग में धमाल मचा रही है, उसे देखते हुए यह कहना मुश्किल नहीं है कि ये जल्द ही 2 मिलियन (भारतीय मुद्रा में 16.7 करोड़ रुपये) का आंकड़ा भी छू लेगी और कई रिकॉर्ड तोड़ सकती है। कल्कि 2898 एडी का निर्देशन नाग अश्विन ने किया है। फिल्म में प्रभास के अलावा दीपिका पादुकोण, अमिताभ बचन, कमल हासन, दिशा पाटनी, पशुपति, शोभना, ब्रह्मानंदम और राजेंद्र प्रसाद समेत कई कलाकारों ने अभिनय किया है। फिल्म का निर्माण वैजयंती मूवीज द्वारा किया गया है।

लगातार धीमी हो रही मुंजा की रफ्तार जानें कैसा रहा अन्य फिल्मों का प्रदर्शन

बड़े पर्दे पर मौजूदा समय में कई फिल्में प्रदर्शित हो रही हैं। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म मुंजा ने टिकट खिड़की पर ठीक ठाक कमाई की है। वहीं, विल स्मिथ की फिल्म बैड बॉयज राइड ऑर डाई भारत में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी है। इसके अलावा टिकट खिड़की पर मिस्टर और मिसेज माही और श्रीकांत टिके रहने की पूरी कोशिश कर रही हैं। आइए जानते हैं कि बुधवार को किस फिल्म ने कितनी कमाई की। अभिनेता अभय वर्मा और शरवरी वाघ की फिल्म मुंजा का बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन ठीक ठाक रहा है। इस फिल्म ने पहले सप्ताहांत में 19.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, कामकाज वाले दिनों में भी फिल्म की पकड़ बरकरार नजर आ रही है। छठे दिन इस फिल्म ने तीन करोड़ 90 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 31.32 करोड़ रुपये हो गई है। विल स्मिथ और मार्टिन लॉरेन्स अभिनीत फिल्म बैड बॉयज राइड ऑर डाई भारत में कमाल नहीं दिखा सकी है। फिल्म ने टिकट खिड़की पर अब तक बहुत कम कमाई की है। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक सातवें दिन 23 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। फिल्म की कुल कमाई अब दो करोड़ 96 लाख रुपये हो गई है।

मिस्टर एंड मिसेज माही मिस्टर एंड मिसेज माही भी सुस्त रफ्तार के साथ ही आगे बढ़ रही है। फिल्म में राजकुमार राव और जान्हवी कपूर ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं। पहले हफ्ते में इस फिल्म ने 24.45 लाख रुपये का कलेक्शन किया था। ताजा आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने 13वें दिन 87 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। अब फिल्म की कुल कमाई 32.2 करोड़ रुपये हो गई है। राजकुमार राव की फिल्म श्रीकांत भी सिनेमाघरों में अब तक टिकी हुई है। हालांकि, अब फिल्म की कमाई काफी कम हो रही है। चौथे हफ्ते में इस फिल्म ने पांच करोड़ 35 लाख रुपये का बिजनेस किया था। 34वें दिन फिल्म ने 15 लाख रुपये की कमाई की है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 47.43 करोड़ रुपये हो गई है।

मोना सिंह ने ठुकरा दिया था करण ओबेरॉय से शादी का प्रस्ताव

बोले- ब्रेकअप के बाद कभी नहीं मिला

करण ओबेरॉय और मोना सिंह की मुलाकात साल 2006 में टीवी शो 'जस्सी जैसी कोई नहीं' की शूटिंग के दौरान हुई थी। सेट पर एक दूसरे के साथ ज्यादा समय बिताने के बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने लगी थीं। हालांकि, कुछ समय तक डेट करने के बाद दोनों का ब्रेकअप हो गया था। हाल ही में एक साक्षाकार के दौरान अभिनेता ने अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने खुलासा किया कि वह मोना से शादी करना चाहते थे, लेकिन अभिनेत्री ने उनका प्रस्ताव ठुकरा दिया था। उस समय को याद करते हुए करण ने मोना को बेपरवाह और खुलकर हंसने वाली शख्सियत बताया, जिसकी वजह से वह उनकी ओर आकर्षित हुए थे। उन्होंने कहा कि भले ही दोनों का रिश्ता टूट गया हो, लेकिन उनके मन में मोना के लिए कोई भी बुरी भावना नहीं है। शादी का प्रस्ताव रखने के बाद रिश्ता टूटने पर जब उनसे सवाल किया गया तो करण ने कहा कि मोना 'जस्सी जैसी कोई नहीं' के साथ अपने करियर के शिखर पर थीं और राष्ट्रीय स्तर पर उनकी प्रसिद्धि में जबर्दस्त वृद्धि हुई थी। करण ने स्वीकार किया कि उस समय वह इस दृष्टिकोण को नहीं समझ पाए थे, लेकिन अब वह समझते हैं कि वह अपने करियर पर ध्यान केंद्रित करना चाहती थीं। उन्होंने कहा कि अपेक्षाएं और किसी के लिए अलग घारणा रखना दुख का कारण बन सकते हैं। करण के मुताबिक दूसरों से कुछ भी अपेक्षा न रखकर खुश रहा जा सकता है। इस बातचीत में करण ने इस बात पर जोर दिया कि मोना का फैसला पूरी तरह से उचित था। करण ने आगे बताया कि उन्होंने दिल टूटने का सामना कैसे किया? अभिनेता ने कहा कि ब्रेकअप के बाद पहले कुछ महीनों तक उन्हें खुद से बहुत नफरत हुई। उन्होंने स्वीकार किया कि अस्वीकृति की यह भावना जीवन के व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों पहलुओं को प्रभावित कर सकती है। अभिनेता के मुताबिक बाद में उन्होंने चीजों को समझा और उनका दर्द कम हो गया। खुद को इन चीजों से दूर रखने के लिए उन्होंने लिखना शुरू किया, जिससे उन्हें आगे बढ़ने में मदद मिली। बातचीत के दौरान करण ने बताया कि ब्रेकअप के बाद वह मोना से फिर कभी नहीं मिले।

राजनीति की तुलना में अभिनय आसान...

सांसद बनीं कंगना रणौत ने दिया बड़ा बयान

कंगना रणौत ने एक सफल अभिनय करियर के बाद अब राजनीति का रुख किया है और हाल ही में हिमाचल प्रदेश के मंडी निर्वाचन क्षेत्र से आम चुनाव जीता है। अभिनेत्री से सांसद बनीं कंगना ने हाल ही में बताया कि कैसे उनकी पहली फिल्म गैंगस्टर के बाद उनसे राजनीति में शामिल होने के लिए संपर्क किया गया था और कैसे वह एक सांसद के रूप में अपने कर्तव्यों के साथ फिल्मों में अपने काम को संतुलित करने की योजना बना रही हैं।

एक हालिया इंटरव्यू में कंगना ने खुलासा किया कि उनके परिवार के विभिन्न सदस्यों से पहले स्थानीय राजनीतिक नेताओं द्वारा संपर्क किया गया है। अभिनेत्री के अनुसार, यह पहली बार नहीं है जब मुझसे राजनीति में शामिल होने के लिए संपर्क किया गया, मुझे पहले भी कई अन्य प्रस्ताव मिले हैं। गैंगस्टर के तुरंत बाद, मुझे टिकट की पेशकश की गई। मेरे परदादा कम से कम तीन बार विधायक रहे। इसलिए जब आप ऐसे परिवार से होते हैं और कुछ सफलता का स्वाद चखते हैं, तो स्थानीय नेता आपसे संपर्क करते हैं। यह बहुत आम है।

कंगना ने अपनी बात में आगे जोड़ा, दरअसल, मेरे पिता को एक ऑफर मिला था। एसिड हमले से बचने के बाद मेरी बहन को राजनीति में शामिल होने की पेशकश की गई थी। इसलिए हमारे लिए राजनीतिक प्रस्ताव मिलना कोई बड़ी बात नहीं है। मुझसे 2019 में भी संपर्क किया गया था। अगर मुझे इसमें दिलचस्पी नहीं होती, तो मुझे वास्तव में इतनी परेशानी से नहीं गुजरना पड़ता।

कंगना यही नहीं रुकीं और आगे बोलीं, मैं इसे सिर्फ एक ब्रेक के तौर पर नहीं देख रही हूं। यह बहुत कठिन जगह है और मैं तैयार हूं। मुझे लगता है कि अगर भगवान ने मुझे यह मौका दिया है तो मैं इसे पूरी ईमानदारी से जरूर निभाऊंगी। मुझसे यादा मंडी के लोग चाहते हैं कि कोई ऐसा हो जो उन्हें भ्रष्ट लोगों से बचाए और इसके लिए उन्होंने मुझे चुना है। मैं उन्हें निराश नहीं करना चाहती ।एक अभिनेत्री और राजनीतिज्ञ के रूप में वह अपने जीवन को कैसे संतुलित करेंगी, इस बारे में बात करते हुए कंगना ने कहा, मैं उनमें से एक हूं जो अपने जुनून का पालन करते हैं। अगर आप मुझे फिल्म इंडस्ट्री में देखें, तो मैं एक अभिनेत्री, लेखक, निर्देशक और निर्माता हूं और यहां मेरे राजनीतिक जीवन में, अगर मुझे यहां के लोगों के साथ जुड़ना होगा, तो मैं इसके साथ आगे बढ़ूंगी। हालांकि, मैं इस बात से इनकार नहीं करूंगी कि फिल्म इंडस्ट्री में काम करना राजनीति की तुलना में आसान है। कंगना ने पहले संकेत दिया था कि अगर वह चुनाव जीतती हैं तो वह फिल्मों से संन्यास ले सकती हैं।

आरम्भ समिति ने रक्तदान कर एक जरूरतमंद को जीवन दान दिया

आरम्भ समिति के 4460 रक्तदान पूर्ण हुए

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ ।
सतना, आरम्भ युवाओं की एक नई सोच समिति द्वारा लगातार रक्तदान की मुहिम विगत कई वर्षों से चलाई जा रहीं है जिसमें जरूरतमंद,असहाय, लोगों की मदद की जाती है जिला अस्पताल सतना में कई दूर-दराज के गांव से मरिज आते हैं और रक्त की अत्यंत आवश्यकता होती है लेकिन गांव और दूर से आने के कारण रक्त नहीं मिल पाता क्योंकि उनके परिजन समय पर पहुंच नहीं पाते ऐसी स्थिति में आरम्भ समिति के सदस्यों द्वारा रक्तदान कर जरूरतमंदों को जीवन दान प्रदान किया जाता है आज समिति के 4460 रक्तदान पूर्ण हुए आज समिति द्वारा दो रक्तदान कराए गए जिसमें पहला रक्तदान युवा समाजसेवी उमंग मलिक जी द्वारा

किया गया यह उनका 16वां रक्तदान था उन्होंने रक्तदान कर एक जरूरतमंद की जान बचाई एवं दूसरा रक्तदान देवांशु रतन मिश्रा जी द्वारा किया गया वह उमंग मलिक जी से प्रेरित होकर रक्तदान किये और एक जरूरतमंद बच्ची की जान बचाई समिति के अध्यक्ष अंकित रॉकी शर्मा ने बताया हम सभी युवा साथियों को आगे आकर रक्तदान की मुहिम से जुड़ना चाहिए रक्तदान करने से हम दूसरे की जान तो बचाते ही है.

किरहाई में जल-गंगा संवर्धन अभियान के तहत सरपंच के साथ ग्रामीणों ने किया श्रमदान

ग्रामीणों ने तालाब को जल मग्न करने लिया है संकल्प

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ ।
सतना, मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित जल गंगा अभियान के तहत मैहर जिला के अमरपाटन जनपद की नव गठित ग्राम पंचायत किरहाई में जल संरचनाओं के संवर्धन-संरक्षण की गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में जल-गंगा-संवर्धन-अभियान अंतर्गत 11 जून को जिला के अमरपाटन जनपद की नव गठित ग्राम पंचायत किरहाई में बाबा तालाब पर सरपंच के साथ ग्रामीणों ने किया गया श्रमदान, साथ ही तालाब को जल मग्न करने का ग्रामीणों ने लिया है संकल्प। इस अवसर पर पंचायत के जनप्रतिनिधि एवं तर्जनों महिलाएं तथा युवा साथियों ने मिलकर यह सहभागिता निभाई।

सतना में चलाया जा रहा बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम अभियान

पहले दिन रेस्क्यू किये गये 6 बच्चे

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ ।
सतना, बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम के लिए राज्य शासन के निर्देशानुसार सतना जिले में कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अनुराग वर्मा के निर्देशन में 11 से 18 जून तक सड़क पर रहने वाले बच्चों के पुनर्वास नीति के तहत रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। सतना शहर में चिन्हित हॉटस्पॉट क्षेत्र में कार्यवाही के लिए दल भी गठित किए गए हैं। जिनके द्वारा अभियान के प्रथम दिवस मंगलवार को सेमरिया चौराहे मे स्थित मंदिर परिसर से 6 बच्चों को रेस्क्यू किया गया। इन बच्चों को उम्र लगभग 2 वर्ष से लेकर 9 वर्ष तक की है। जिला कार्यक्रम अधिकारी सौरभ सिंह ने बताया कि गठित दल के सदस्यों द्वारा बच्चों को परिवार सहित रेस्क्यू कर जिला बाल संरक्षण इकाई लाया गया। जहॉ बच्चों को मां और दादी को परामर्श दिया गया

तथा बच्चों की जानकारी एसआईआर, आईसीपी और सर्वे प्रपत्र मे दर्ज की गई तथा बच्चों को उनके घर तक टीम द्वारा भेजा गया। बच्चों को शासकीय योजनाओं से जोड़ने की कार्यवाही की जा रही है। इसी प्रकार दूसरे दल ने सांई मंदिर (राजेन्द्र नगर) के पीछे रेलवे परिसर में अस्थायी रूप से निवासरत परिवारों तथा बच्चों से जानकारी प्राप्त की। जो चंदिया जिला उमरिया तथा बड़वारा जिला कटनी के निवासी है और कुछ समय से सतना में रह रहें है। परिवारों एवं बच्चों को समझाइस दी गई कि बाल भिक्षावृत्ति अपराध है। बच्चों को आंगनवाडी केन्द्र और विद्यालय में प्रवेश करवाने के लिये मात-पिता को समझाईस दी गई।

जिले में जारी ओवरलोडिंग ने ली एक और जान

ओवरलोड ट्रक अनियंत्रित होकर पलटा, चालक की हुई मोत

सिटी चीफ । उमेश कुशवाहा ।
सतना, सतना मैहर जिले में ओवरलोडिंग अवैध परिवहन और टैक्स चोरी किस कदर हावी है उसका एक और नजारा देखने को मिला चित्रकूट की बगदरा घाटी में जहां क्लिंकर से ओवरलोड ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया गाड़ी में लोड क्लींकर में ड्राइवर और कंडक्टर दब गया कंडक्टर को किसी तरह निकाल कर अस्पताल पहुंचाया गया वहीं चालक ने वहीं दम तोड़ दिया भीषण गर्मी में छमता से करीब तीन गुना ओवरलोड माल लेकर मैहर उचेहरा नागौद होकर ओवरलोड वाहन उत्तर प्रदेश के लिए जातें हैं सूत्रों की मानें तो इन ओवरलोड वाहनों से जिले के आर टी ओ ट्राफिक प्रभारी और रास्ते में पड़ने वाले हर थानों में प्रति गाड़ी के हिसाब से महीने का पैसा भेजा जाता है यही कारण है की सबकुछ देखते हुए भी प्रशासनिक तंत्र मौन रहता है और आए दिन ऐसे ओवरलोड वाहनों से दुर्घटना होती हैं और निर्दोष नागरिकों की मौत होती है आखिर कलेक्टर पुलिस अधीक्षक और जिम्मेदार महकमा ईसे रोकने का प्रयास क्यों नहीं करतें।

रीवा के जनरल द्विवेदी होंगे देश के नए थल सेना प्रमुख

विंध्य का बढ़ा मान- नौसेना प्रमुख भी सतना के

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
रीवा, केंद्र सरकार ने मंगलवार देर रात भारतीय थल सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी को नया सेना प्रमुख नियुक्त कर दिया। जनरल द्विवेदी 30 जून को दोपहर कार्यभार ग्रहण करेंगे। रीवा के मुड़िला गांव में जन्मे द्विवेदी दो साल तक सेवा में रह सकेंगे। वहीं वर्तमान नौसेना प्रमुख दिनेश त्रिपाठी भी विंध्य के ही रहने वाले हैं। उनका जन्म सतना के महुड़र में हुआ है। जनरल द्विवेदी को थल सेना की इन्फेंट्री की जम्मू कश्मीर राइफल्स में दिसंबर 1984 में कमीशन प्रदान किया गया था। 40 वर्ष के सेवाकाल में उन्होंने कई अहम पदों पर कार्य किया है। सेना उप प्रमुख बनने से पहले वे सेना की उत्तरी कमान के आर्मी कमांडर थे। वे इन्फेंट्री के महानिदेशक भी रह चुके हैं। उन्हें परम विशिष्ठ सेवा मेडल, अति विशिष्ठ सेवा मेडल और तीन बार आर्मी कमांडर सराहना जैसे अलंकरण मिल चुके हैं।

3 भाई और एक बहन, सैनिक स्कूल से पढ़े लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी के पिता श्रीकृष्ण द्विवेदी माइनिंग अफसर और मां मानवती गृहिणी थीं। तीन भाइयों में सबसे छोटे उपेंद्र ने रीवा सैनिक स्कूल में 1973 से लेकर 1980 तक पढ़ाई की। 6 से 12वीं तक नर्मदा हाउस के छात्र रहे। ग्रेजुएशन के बाद 15 दिसंबर 1984 को उनका सेना में कमीशन हो गया। सबसे बड़े भाई डॉ. पीसी द्विवेदी रीवा के श्याम शाह मेडिकल कॉलेज के डीन से सेवानिवृत्त हैं। दूसरे भाई पीएस द्विवेदी भोपाल में सिंचाई विभाग के चीफ इंजीनियर से सेवानिवृत्त हैं। बहन डॉ. पुष्पा पाण्डेय जबलपुर जिला अस्पताल में स्त्रीरोग विशेषज्ञ हैं।

मानव कल्याण मंच देवबंद द्वारा छबील लगाकर ठंडे मीठे शरबत का वितरण किया गया

भीषण गर्मी में प्यासे राहगीरों ने शरबत पीकर अपनी प्यास बुझाई

सहारनपुर । देवबंद, मानव सेवा को समर्पित संस्था मानव कल्याण मंच देवबंद द्वारा नर सेवा नारायण सेवा कार्यक्रम की कड़ी में मंच उपाध्यक्ष राजू सैनी के प्रतिष्ठान मजनू वाला रोड देवबंद पर छबील लगाकर ठंडे मीठे शरबत का वितरण किया गया। भीषण गर्मी में प्यासे राहगीरों ने शरबत पीकर अपनी प्यास बुझाई। शिविर का उद्घाटन मंच के संस्थापक अरूण अग्रवाल व अध्यक्ष राजीव शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में अपने विचार रखते हुए मंच संस्थापक अरूण अग्रवाल ने कहा कि गर्मी में प्यासे व्यक्ति को मीठा शर्बत पिलाने से पुण्य कार्य इस जीवन में कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि जल की एक-एक बूंद अमूल्य है अथार्थ जल ही जीवन है जो प्राणियों के लिए संजीवनी का कार्य करता है इसलिए जल को हमें प्राणियों के जीवन के लिए बचाना चाहिए। मंच के अध्यक्ष राजीव शर्मा ने कहा कि हमें जो मानव जीवन मिला है उसमें जल सेवा से बढ़कर कोई भी मानव सेवा कार्य नहीं है और मानव सेवा करने से अहम की भावना का ह्रास होता है तथा मनुष्य सत कार्यों में लगा रहता हैद्य नगर पालिका परिषद सभासद प्रतिनिधि श्याम चौहान ने अपने विचार रखते हुए कहा कि मानव कल्याण मंच लगातार सेवा कार्य कर रहा है और हम मानव रूप में इस दुनिया में आए हैं तो निर्धन व जरूरतमंद मानव की सेवा प्रत्येक

व्यक्ति को करनी चाहिए। अपने परिवार का भरण पोषण तो जीव - जंतु , पशु - पक्षी भी करते हैं परंतु मनुष्य एक ऐसा जीव है जो प्रत्येक निर्धन व पीड़ित व्यक्ति की सहायता करने का प्रयत्न करता है और हमें किसी भी असहाय व्यक्ति की निस्वार्थ भाव से सहायता करनी चाहिए। यही सच्ची ईश्वर सेवा है। मंच महासचिव सुशील कर्णवाल ने बताया कि मानव कल्याण मंच लगातार कई वर्षों से प्रत्येक महा सेवा कार्य कर रहा है और आगे भी इसी प्रकार से सेवा कार्य करता रहेगा। कार्यक्रम संयोजक संजय सैनी ने कहा कि किसी भी संस्था के सेवा कार्य उसे युगो- युगो तक जीवित बनाए रखते हैं तथा प्रत्येक विकसित समाज सदा समाज सेवकों का ऋणी रहता है। मानव कल्याण मंच के सभी सदस्यों ने सफल कार्यक्रम संयोजन के लिए राजू सैनी का हार्दिक आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष प्रमोद मित्तल, राकेश अग्रवाल, नरेंद्र बंसल, जितेंद्र कश्यप, कुशल सिंघल, यश बंसल, अमित गर्ग बिट्टू, अनीता बंसल, शुभलेश शर्मा, पूनम कौशिक, रीता सिंह, राजकुमार जाटव , रविंद्र कश्यप एडवोकेट, कुलदीप दीप, सुनील बंसल, संजीव सिंघल, चन्द्रप्रकाश गाबा, अमन गोयल आदि उपस्थित रहे।

पुलिस ने अवैध डोडा पाउडर की तस्करी करने वाले तीन शातिर नशा तस्करों को किया गिरफ्तार

गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 106 किलोग्राम अवैध डोडा पाउडर, एक टाटा ट्रक व एक स्विफ्ट कार हुई बरामद

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर, सहारनपुर जनपद की गंगोह कोतवाली पुलिस ने तीन नशा तस्करों के कब्जे से एक क्विंटल से ज्यादा डोडा पोस्त पाउडर और दो वाहन बरामद किए है। गंगोह कोतवाली पुलिस के अनुसार मुखबिर की सूचना पर तीतरों तिराहे के पास से पुलिस ने नशा तस्करी करने वाले गिरोह के सदस्यों को पकडने में कामयाबी हासिल की। इनके पास से 106 किलो डोडा पाउडर के अलावा एक ट्रक व एक कार भी बरामद हुई है। इन लोगों ने पुलिस को बताया कि ट्रक एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के डाक पार्सल में चलता है और उसी के माध्यम से वे तस्करी करते हैं और माल होटल व ढ़ाबों पर सप्लाई करते है। पुलिस ने आरोपियों नकुड़ के नन्हेडा निवासी संजय, सिखेड़ा निवासी गुरप्रीत व शाहपुर के कसेरवा निवासी सादिक का एनडीपीएस में मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है। एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने नशा तस्करों को पकडने वाली पुलिस टीम को नकद 25 हजार के इनाम की घोषणा भी की है।

मंडल कार्यक्रम प्रबंधक ने स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारी को लेकर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

अपने अपने जिले में सुचारु रुप से स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारी प्रारंभ कर जनपद की रैंकिंग बेहतर करे

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर । देवबंद, स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारी को लेकर नगर पालिका परिषद देवबंद में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें मंडल कार्यक्रम प्रबंधक जसलीन जुनेजा ने मंडल के सभी जिला कार्यक्रम प्रबंधकों के साथ चर्चा कर उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में शासन के आदेशानुसार विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए मंडल कार्यक्रम प्रबंधक जसलीन जुनेजा

ने मंडल के सभी जिला कार्यक्रम प्रबंधकों को निर्देशित किया कि वह अपने अपने जिले में सुचारु रुप से स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारी प्रारंभ कर जनपद की रैंकिंग बेहतर करें। जसलीन जुनेजा ने बताया कि आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारी के लिए जीएफसी व ओडीएफ के मानकों पर चर्चा की गई। जहां-जहां रख-रखाव का कार्य होना है उसको कराकर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराए जाने के लिए कहा गया है। साथ ही घरों से संग्रह किए जाने वाले कूडे को शत-प्रतिशत अलग-अलग करने के निर्देश दिए गए। साथ ही आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण में उच्च अंक प्राप्त करने के लिए योजना बनाई गई। इसमें कंप्यूटर ऑपरेटरों ने भी प्रतिभाग किया।

फंदे से लटका मिला नवविवाहिता का शव

पति और ससुरालियों के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज

गौरव सिंघल । सिटी चीफ । सहारनपुर, 32 वर्षीय नवविवाहिता साक्षी शर्मा का शव उसके कमरे में पंखे से लटका मिला। घटना थाना बड़गांव के बड़ौली-माजरा गांव की है। सीओ देवबंद अशोक सिसौदिया ने बताया कि साक्षी शर्मा का इसी वर्ष 19 अप्रैल को विशाल शर्मा के साथ विवाह हुआ था। साक्षी शर्मा के पिता अनिल शर्मा ने थाना बड़गांव में मृतका साक्षी के पति विशाल शर्मा, सास-ससुर और देवर के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। साक्षी शर्मा चार दिन पहले ही देवबंद थाने के गांव भटोल स्थित अपने मायके से ससुराल बड़ौली-माजरा आई थी। पुलिस के मुताबिक सुबह जब परिजन उठे तो वह साक्षी को जगाने के लिए उसके कमरे में गए। वह चुन्नी से बने फंदे से पंखे से लटकी मिली। ससुरालियों ने साक्षी के मायके वालों को सूचना देकर बुलाया और बाद में पुलिस भी मौके पर पहुंची। साक्षी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फाइनेंसकर्मी के साथ लूटपाट करने वाले चार आरोपियों को पुलिस टीम ने किया गिरफ्तार

दो कर्मचारियों से लुटे थे 73880 रूपए

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर, सहारनपुर जनपद की थाना गागलहेड़ी पुलिस ने एक फाइनेंस कंपनी के दो कर्मचारियों से छह जून को 73880 रूपए लूट लिए थे। कंपनी के प्रबंधक मोहित राणा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने वाहन चैकिंग के दौरान दो बाइकों पर सवार चार युवकों को शक होने पर पूछताछ के लिए पकड़ा। एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि पूछताछ में पकड़े गए राकेश, सोनू, नितिन और रवि शर्मा ने लूट की घटना में शामिल होना स्वीकार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से दो तमंचे और 38 हजार रूपए बरामद किए है। गिरफ्तार अभियुक्तों में राकेश सिंह पुत्र नकल सिंह निवासी गांव रंडोल, थाना बेहट पहले भी लूट के मामले में जेल जा चुका है। कुछ दिन पहले ही वह जमानत पर जेल से छूटकर बाहर आया था।

हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने फूंका आतंकवाद का पुतला

कोतवाली प्रभारी को एक ज्ञापन भी सौंपा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर, वैष्णों देवी दर्शनों के लिए जा रहे श्रद्धालुओं की बस पर आतंकी हमले किए जाने के विरोध में आज सहारनपुर जनपद के कस्बा बेहट में बजरंग दल एवं विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए आतंकवाद का पुतला फूंका। इस मौके पर बजरंग दल के विभाग से संयोजक हरीश कौशिक ने हमले की घोर निंदा करते हुए कहा कि आतंकवादियों ने श्रद्धालुओं की बस पर हमला कर अपनी कायरता का परिचय दिया है। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन कोतवाली प्रभारी बेहट योगेश शर्मा को सौंपा। इस दौरान जिला संयोजक विशाल चौहान, अनुज सैनी, रजत शर्मा, अमित गुप्ता,सतीश चौधरी,अनुपम धीमान,आदित्य, सुमित,मोहित, वाशु आदि मौजूद रहे।

सहारनपुर के बेहट में हुआ सड़क हादसा

ट्रैक्टर-ट्राली की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की हुई मौत

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर । बेहट, सहारनपुर जनपद के बेहट कोतवाली क्षेत्र में गांव बादलपुर के पास मोड़ पर खनिज से भरी ट्रैक्टर-ट्राली ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार दोनो युवकों की जिला अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। मृतक उत्तराखंड के भगवानपुर की एक प्राइवेट कंपनी में काम करते थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार
दाऊदपूरा गांव निवासी अवनीश (24) पुत्र सुखपाल व तिवड़ा जुनारदार निवासी पवन कश्यप (25) पुत्र सेनपाल भगवानपुर स्थित कंपनी से ड्यूटी करके बाइक पर वापस अपने गांव आ रहे थे। रास्ते में खनिज से भरी ट्रैक्टर-ट्राली ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रैक्टर-ट्राली को उसका चालक घटनास्थल पर ही छोड़कर भाग निकला। घायल अवनीश व पवन

को पुलिस जिला अस्पताल ले गई, जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया गया। मृतक अवनीश के पिता सुखपाल की तरफ से हादसे की तहरीर पुलिस को दी गई है। दोनों मृतक युवक अविवाहित थे और कंपनी में काम करके परिवार चलाने में सहयोग करते थे। पुलिस ने बताया कि हादसे की जिम्मेदार ट्रैक्टर-ट्राली को कब्जे में ले लिया गया और मृतक अवनीश के पिता की तहरीर पर हादसे की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

ग्राम पंचायत मकरी के ग्रामीणों ने सड़क को लेकर कलेक्टर से लगाई गुहार

ग्राम कोरियन पुरवा के ग्रामीणों ने आंदोलन करने की दी चेतावनी चेतावनी

राम नरेश विश्वर्मा । सिटी चीफ ।

अजयगढ़, यह पूरा मामला पन्ना जिले के अजयगढ़ ब्लॉक के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मकरी का है जहां रोड ना होने से ग्रामीणों ने पन्ना कलेक्टर से लगाई गुहार वहां के ग्रामीणों ने बताया है कि लगभग डेढ़ किलोमीटर सड़क बननी है। हम लोग काफी दिनों से परेशान हैं हम लोगों को निकालने के लिए कोई रास्ता नहीं है हम लोग परेशान हैं जबकि शासकीय जमीन पड़ी हुई है रास्ता के लिए हम लोगों को निकालने के लिए सिर्फ सिंगल रास्ता है अगर हम लोगों का कोई सदस्य बीमार हो जाता है तो हमारे कोरियन पुरवा

तक एंबुलेंस, चार पहिया वाहन एवं गाड़ी बैल नहीं आ सकती है। ग्रामीणों से प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया है कि हम लोगों ने कई बार जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से निवेदन किया है कि हम लोगों को शीघ्र ही रोड उपलब्ध करवाया जाए हम लोगों के बच्चे बरसात के मौसम में स्कूल नहीं जा पाते हैं बरसात के समय में रास्ता से निकलना मुश्किल होता है। कीचड़ में तब्दील हो जाता है आजादी के 75 वर्ष होने को है लेकिन हम लोगों को आज तक सड़क नसीब नहीं हुई है जबकि वहा पर 15 से 20 घर बने हुए हैं हम लोगों को सड़क नहीं मिली है हमारा पूरा गांव यूपी की सीमा से लगा होने के कारण कोई भी अधिकारी यहां देखने के लिए नहीं आते हैं ना ही जनप्रतिनिधि सिर्फ वोट मांगने ही आते हैं और आश्वासन देकर चले जाते हैं किसी ने हमारे रोड की आज तक शुध नहीं ली ग्रामीणों ने मीडिया के समक्ष बताया है कि हम लोग आंदोलन करने के लिए लाम बंद होंगे।

कटनी में जबलपुर लोकायुक्त की 8 सदस्यीय टीम ने की कार्यवाही

6 हज़ार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार

सुनील यादव । सिटी चीफ ।

कटनी, कटनी जिले के बड़वारा जनपद कार्यालय मे पदस्थ लिपिक प्रभारी लेखापाल और सचिव को जबलपुर लोकायुक्त की 8 सदस्यीय टीम ने 6 हज़ार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर कार्यवाही शुरू कर दी है। लोकायुक्त के अधिकारियों ने बताया की ढीमरखेड़ा जनपद क्षेत्र अंतर्गत आने वाले पिपरिया शुक्ल ग्राम पंचायत में पदस्थ सचिव जितेंद्र सिंह बघेल 2018 में निलंबन की कार्यवाही की गई थी और वर्ष 2023 में बहाली की कार्यवाही की गई। इस बीच 5 वर्षों तक का करीब 7 लाख 50 हजार

रुपये एरियस बकाया था। एरियस दिलाने के बदले बाबू ने 7 हजार की रिश्वत मांगी थी। फरियादी जितेंद्र सिंह बघेल ने बताया कि इस कार्य के लिए पूर्व में भी करीब दस हजार रुपए घुस के रूप में ले लिए गए। लेकिन अब तक काम नहीं किया गया। इसके बाद में बाबू संजय चतुर्वेदी की जबलपुर लोकायुक्त में शिकायत की गई थी। जिसके बाद कार्यवाही करतें हुए 6 रुपए की घूस लेते हुए लोकायुक्त की टीम ने बाबू संजय कुमार चतुर्वेदी और उनके सहयोगी सचिव आशीष कुमार दुबे को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। वही इस कार्रवाई के बाद पूरे कार्यालय में सन्नाटा पसरा रहा। लोकायुक्त डी एस पी दिलीप झरवड़े ने बताया कि लुर्मी ग्राम निवासी जितेंद्र सिंह बघेल पिता केशव प्रसाद के द्वारा शिकायत प्राप्त हुई थी कि बड़वारा जनपद कार्यालय में पदस्थ लिपिक प्रभारी लेखपाल एरियस के नाम पर रिश्वत की मांग कर रहा है। शिकायत के बाद बड़वारा जनपद कार्यालय में 6 हज़ार की रिश्वत लेते हुए प्रभारी लेखपाल संजय कुमार चतुर्वेदी और कार्यालय में पदस्थ सचिव आशीष दुबे को पकड़ा है दोनों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई। उक्त कार्यवाही मे निरीक्षक रेखा प्रजापति,निरीक्षक नरेश बैगा एवं अन्य 5 सदस्य की अहम भूमिका रही।

सहायक जेल अधीक्षक एवं जेल प्रहरी के पदों के लिए शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट

02 जुलाई 2024 से 07 जुलाई 2024 तक भोपाल में आयोजित

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर, मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा सहायक जेल अधीक्षक एवं जेल प्रहरी भर्ती हेतु लिखित परीक्षा 25 मई 2023 से 20 जून 2023 तक आयोजित की गई थी, जिसका परीक्षा परिणाम 14 मार्च 2024 को घोषित किया गया है। सहायक जेल अधीक्षक एवं जेल प्रहरी के पदों हेतु सफल अभ्यर्थियों के द्वितीय चरण की परीक्षा जिसमें शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट होगा, जो जेल विभाग स्वयं लेगा। प्रथम चरण में चयनित उम्मीदवारों का शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट मोतीलाल नेहरू पुलिस स्टेडियम भोपाल में 02 जुलाई 2024 से 07 जुलाई 2024 तक आयोजित किया जाएगा, जिसका विस्तृत विवरण मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल भोपाल की वेबसाइट पर उपलब्ध है। सफल अभ्यर्थी वेबसाइट पर उपलब्ध प्रपत्रों को निकालकर नियत तिथि पर आवश्यक दस्तावेजों एवं जानकारी सहित शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट हेतु उपस्थित हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि सहायक जेल अधीक्षक के 33 पद एवं जेल प्रहरी के 200 पदों हेतु मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा क्रमशः 414 एवं 2264 अभ्यर्थियों को द्वितीय चरण हेतु पात्र पाया गया है, जिनका द्वितीय चरण में शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट लिया जाना है। शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट में योग्य पाए जाने वाले अभ्यर्थियों में से मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल अंतिम चयन सूची जारी करेगा जिन्हें जेल विभाग द्वारा प्रहरी के पद पर नियुक्ति प्रदान की जाएगी।

पेयजल संकट को लेकर महिला- पुरूष ने खाली गुम्मा कुप्पा लेकरं शांति पूर्ण आंदोलन किया

नपा सतधारु योजना का पानी ठीक से वितरित नहीं कर पा रही

धीरज कुमार । सिटी चीफ ।

दमोह । हिण्डोरिया, बस स्टैंड चौराहा हिण्डोरिया पर नगर के सैकड़ो महिला पुरुषों ने अपने वार्ड पार्षद एवं जन प्रतिनिधियों के साथ नगर परिषद द्वारा जान बूझकर पैदा किये गये पेयजल संकट के समाधान को लेकर अहिंसात्मक ढंग से शांति पूर्ण आंदोलन किया!इस अवसर पर नगर के विभिन्न वार्डों के सैकड़ो महिला-पुरुष खाली गुम्मा, कुप्पा लेकर सुबह 10-11 बजे से ही बस स्टैंड चौराहे पर अपने प्रतिनिधियों सहित एकत्रित होना शुरू हो गये! इनके द्वारा नगर परिषद के विरोध मे नारे बाजी करते हुए गुण्या, कुप्पा बजाते हुए धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया गया! पेयजल संकट को लेकर एकत्र होने की सूचना पाकर सक्रिय हुये हिंण्डोरिया थाना प्रभारी टीआई अमित गौतम अपने दलबल के साथ तत्काल आंदोलन स्थल पर पहुंच गये ! टीआई व्दारा आंदोलन की मांगों को समझते हुए जिला शासन-प्रशासन के अधिकारी नायब तहसीलदार रघुनंदन चतुर्वेदी एवं एसडीएम आर एल बागरी को सूचित किया गया! एसडीएम बागरी को आंदोलन कारियों के द्वारा एक ज्ञापन सौपा गया! ज्ञापन मे कहा गया कि नगर परिषद व्दारा भेदभाव पूर्ण ढंग से पेयजल वितरित कर जानबूझकर कुछ वार्डों मे संकट पैदा किया जा रहा है! जबकि सतधारू योजना से कनेक्शन मिलने के बाद नगर मे पानी का कोई संकट नहीं है! नपा

स्वंय पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर कुछ जाबांज क्रांतीकारी पार्षदों के वार्डो मे कृत्रिम पेयजल संकट पैदा कर रही है! सतधारू योजना से मिल रहे पानी का वितरण नपा ठीक से ना कर भेदभाव के साथ कर रही है! नपा की इस लापरवाही के चलते नगर परिषद के अनेक पार्षदों को अपने स्वंय के खर्चे पर मजबूरन टेंकर खरीद कर पानी बांटना पड़ रहा है! कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर से नागरिकों ने एक दिन के अंतर से बिना किसी भेदभाव के पेयजल वितरण की मांग की है! साथ ही नगर के बार्ड नं. 01-05-06-07-08-09 आदि मे व्यवस्थित पेयजल पहुचांने 04 करोड़ की लागत वाली स्वीकृत राशी से शीद्र पेयजल की टंकी निर्माण कर पाईप लाईन बिछाने की मांग की है! एस डी एम बागरी ने आन्दोलनकारियों से चर्चा कर पहले आन्दोलन शांत कराया इसके बाद सभी आंदोलन के प्रतिनिधियों के साथ नगरपरिषद कार्यालय मे बैठक आयोजित कर विस्तृत चर्चा की! बैठक मे नपा मे पेयजल योजना का प्रभारी कौन है! पता नहीं चल सका! पेयजल योजना को वर्षो से संचालित कर रहे नपा के दो अस्थायी कर्मी सित्तू श्रीवास्तव एवं रमेश यादव का दो- तीन घंटे प्रशासन के अधिकारी इंतजार करते रहे! मगर वो नहीं आये ! तो बागरी ने नपा के इन दोनो कर्मचारियों को तत्काल कार्यमुक्त करने का आदेश नायब तहसीलदार चतुर्वेदी एवं प्रभारी सीएमओ राजेंद्र खरे को दिया! इस मौके पर सीएमओ गजेंद्र सिंह लोधी जो डेढ़ माह की ट्रेनिंग पर बाहर गये हुये है, उनका प्रभार राजेन्द्र खरे हटा को सौपा गया! इस मौके पर संयुक्त संचालक नगरीय निकाय एवं विकास विभाग सागर के उप संचालक अपनी टीम के साथ मौजूद रहे! इस टीम ने नपा की असलियत को नजदीक से बैठक मे समझा एवं नपा कर्मियों को आवश्यक मार्गदर्शन दिया! बैठक मे दो दिन के अंतर से नगर वासियों को बिना किसी भेदभाव के पेयजल उपलब्ध कराने , पेयजल वितरण का समय बढाने, जहाँ पाईप लाईन से पानी नहीं पहुंच रहा उन वार्डों मे पेयजल टेंकरों से उपलब्ध कराने, पार्षदों की पेयजल वितरण मे व्यय राशी लौटाने, नगर को हरहाल मे पेयजल संकट जैसी समस्या से मुक्त बनाने पर सहमति बनी! इस पूरी प्रक्रिया मे नपा अध्यक्ष कहीं नहीं दिखे ! बस नपा मे अपने कक्ष मे बैठे रहे! आंदोलन में नगर परिषद के शेर दिल, जाबांज उपाध्यक्ष एवं पार्षद प्रतिनिधी लक्ष्मण पटेल, पार्षद प्रतिनिधी हबीब राजा चौहान, पार्षद गणेश सिंह, अन्नू राजपूत, शानू खान , शेख असीम, सुजात खान सहित बडी संख्या मे वार्डवासी महिला पुरुष मौजूद रहे!

7 साल से फरार आरोपी सोनू यादव को किया गिरफ्तार

सुनील यादव । सिटी चीफ ।

कटनी, कटनी माधवनगर पुलिस को 7 साल से फरार आरोपी सोनू यादव को गिरफ्तार करने में बड़ी सफ़लता मिली है। 01/08/17 को सूचनाकर्ता रामलखन पाण्डेय पुलिस चौकी झिंझरी में सूचना दी कि बिलहरी रोड झिंझरी पर स्थित MPEB के स्टोर में सुरक्षा गार्ड गुलशन जोगी खून से लथपथ पड़ा है एवं उसकी मृत्यु हो गई। जो की यह हत्या थी और पुलिस ने पहले ही 6 आरोपियों को अरेस्ट कर लिया और पिछले 7 सालो से सातवे आरोपी को माधवनगर पुलिस तलाश कर रही थी अंत में सातवा आरोपी को भी पुलिस ने अरेस्ट कर लिया। कटनी एसपी अभिजीत रंजन ने बताया की 01/08/17 को मृतक की सूचना पर मर्ग पजीबध्द कर घटना स्थल का निरीक्षण कर पंचनामा कार्यवाही कर मृतक गुल्तरा जोगी के शव का पीएम कराया पीएम रिपोर्ट में डाक्टर द्वारा मृतक की मृत्यु सिर एवं अन्य जगह आई चोट होने से लेख किया। घटनास्थल निरीक्षण शव पंचनामा प्राप्त पीएम रिपोर्ट एवं गवाहों के कथन से मृतक गुलशन की हत्या होना पाये जाने पर मामले में अज्ञात व्यक्तियों के विरूध्द अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना करते हुए विभिन्न पहलुओं से हत्या के कारणों की जानकारी एकत्रित करते हुए तकनीकी सहायता से के आधार पर संदेही आरोपी 1. राजा उर्फ इम्तयाज अली 2. जावेद खान को संदेह के आधार पर उपरोक्त संदेही की तलाश कर हिरासत मे लेकर पूछताछ की गई। जिन्होंने पूछताछ पर बताया कि झिंझरी स्थित कैपकान कंपनी के स्टोर में चोरी करने की नियत से राजा ऊर्फ इम्तयाज अली, सुभाष, पंकज, सोनू यादव, सुकरु ने चोरी के स्थान की रैकी किया एवं चोरी का माल उठाने के लिए बडवारा से लेबर की व्यवस्था कर कटनी लाए। आरोपी मो. अफरोज एवं जावेद खान दोनों निवासी जबलपुर ने चोरी का माल ले जाने के लिए ट्रक की व्यवस्था की तथा जावेद ने ट्रक लेकर कटनी आया एवं अफरोज अपनी कार से कटनी आया । सभी सातों आरोपी उक्त कार एवं मोटर साइकिल से कैंपकान के आफिस झिंझरी में चोरी करने के लिए गए और आरोपियों द्वारा चौकीदार गुलशन जोगी के विरोध करने पर उसकी हत्या कर विभिन्न विदुधुत उपकरण कीमती करीबन 1 लाख 30 हज़ार के चोरी कर कार से लेकर भाग गए थे। पुलिस ने तत्परता से आरोपी 1. मो.अफरोज 2. जावेद खान 3. राजा उर्फ इम्तयाज अली 4. पकंज रज़क 5. सुभाष यादव 6. सुकरू उर्फ सुकरुहदीन 7. सोनू यादव सहित 07 आरोपी थे। जिनमें से 06 आरोपी तत्पर्ता से गिरफ्तार कर लिये गये थे। किन्तु प्रकरण का सातवां आरोपी सोनू यादव पिता प्रेमलाल यादव उम्र 20 साल निवासी बडवारा थाना बडवारा का घटना दिनांक के बाद से फरार हो गया था, जिसकी गिरफ्तारी के हर संभव प्रयास किए जा रहे थे किन्तु फरार आरोपी सोनू यादव प्रकरण मे लगातर फरार चल रहा था ।पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन के द्वारा लम्बित अपराधों के निराकारण के निर्देश दिए गए थे जिसके परिपालन में थाना प्रभारी ने गंभीरता से लेते हुए तत्कालीन विवेचको थाना प्रभारी बड़वारा किशोर दिवेदी से सम्पर्क किया एव आवश्यक जानकारी एकत्रित करते हुए मुखबिर तंत्रों एवम् तकनीकी सहायता से फरार आरोपी सोनू यादव पिता प्रेमलाल यादव निवासी बड़वारा की तलाश करने टीम का गठन कर पुणे महाराष्ट्र भेजा गया। जहां आरोपी के हुलिये के आधार पर हर संभावित स्थानों पर तलाश की गई उसी दौरान आरोपी से सामना हुआ और उसका नाम पता पूछे जाने पर अपना नाम सोनू कोल बताया। जैसे ही उसे पता चला कि पुलिस उसे ही ढूंढ रही है जो बिना देरी किए वहां से भाग खड़ा हुआ। पुलिस को ज्ञात हुआ कि सोनू कोल ही सोनू यादव है। मौके पर पहुंची पुलिस हताश हो गई जैसे ही जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को हुई जिन्होंने टीम का हौसला अफजाई करते हुए निर्देशित किया कि और मेहनत करें सफ़लता जरूर मिलेगी। कुछ ही देरी पर पुनः आरोपी से सामना पुलिस से हुआ पर सोनू यादव पुलिस को देखकर भागा पर चोकन्ना पुलिस उसके पीछा करते हुए फैंसिंग तार कूदते फांदते 200 मीटर तक पीछा किया और अंततः भारी मशक्कत करते हुए आरोपी को पकड़ने में सफल हुऐ।

भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के प्रोजेक्ट सेफ भोग के तहत मिला प्रमाण पत्र

दमोह जिले के इन मंदिरो को मिली एफ.एस.एस.ए.आई. भारत सरकार द्वारा मिला ईट राइट प्लेस ऑफ वरशिप- सेफ भोग प्रमाण पत्र

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।

दमोह, भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण भारत सरकार (एफ.एस.एस.ए.आई.) के प्रोजेक्ट सेफ भोग का मुख्य उद्देश्य भारत में विभिन्न धार्मिक तीर्थ स्थलों/पूजा स्थलों पर शुद्ध एवं सुरक्षित प्रसाद एवं भोजन को श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराना है। भोग अर्थात ईश्वर के लिए आनंदमय एवं स्वच्छ अर्पण है। इसके तहत सभी पूजा स्थलों में वितरित होने वाला प्रसाद एवं भोजन एवं उसके समीप खाद्य प्रतिष्ठानों को फूड सेफ्टी के तहत फूड लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य होता है। इन स्थानों पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत विभिन्न प्रावधानों का पालन करना आवश्यक होता है। दमोह जिले में स्थित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर शुद्ध एवं सुरक्षित प्रसाद एवं भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत डी.ओ. खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल के मार्गदर्शन में माधवी बुधौलिया खाद्य सुरक्षा अधिकारी के सहयोग से दमोह शहर के घंटाघर स्थित श्री देव जानकी राधा रमण बूंदा बहु मंदिर एवं सिंधी कैंप स्थित श्री झूलेलाल मंदिर को सेफ भोग प्रमाणन हेतु चयनित किया गया था। एफ.एस.एस.ए.आई. ने केंद्रीय ऑडिटर की प्रस्तुत ऑडिट रिपोर्ट अनुसार श्री देव जानकी राधा रमण बूंदा बहु मंदिर एवं श्री झूलेलाल मंदिर को सेफ भोग प्रमाणपत्र जारी किया है। उक्त प्रमाण पत्र 29 फरवरी 2024 से 28 फरवरी 2026 की अवधि तक वैध रहेगा। इसके पूर्व वर्ष 2020 में कुंडलपुर स्थित श्री दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र मंदिर की भोजनशाला को सेफ भोग प्रमाण पत्र प्राप्त हो चुका है एवं वर्ष 2023 में जेल रोड स्थित श्री शिव शनि हनुमान मंदिर एवं बेला ताल के पास स्थित श्री साईं मंदिर को सेफ भोग प्रमाण पत्र प्राप्त हो चुका है। उक्त प्रमाण पत्र की सर्टिफिकेशन प्रक्रिया में ऑडिटिंग पार्टनर हासिल बोर्ड, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, ट्रेनिंग पार्टनर एरोमा शिक्षा एवं सेवा समिति एवं इम्प्लीमेंटेशन पार्टनर फूड सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन दमोह मध्यप्रदेश हैं।

अंबेडकर भवन में खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण फोस्टेक ट्रेनिंग की गई आयोजित

खाद्य व्यापारियों ने हिस्सा लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग के सभी कानूनों प्रावधानों को जाना

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।

दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत दमोह जिले के खाद्य व्यापारियों को खाद्य सुरक्षा संबंधित नियमों के बारे में प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफ.एस.एस.ए.आई.) की फोस्टेक योजना के अंतर्गत कचौरा शॉपिंग सेंटर स्थित अंबेडकर भवन दमोह में अभिहित अधिकारी (डी.ओ.) खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी दमोह माधवी बुधौलिया के सहयोग से फोस्टेक अधिकृत ट्रेनर विवेक पाठक एवं मोबलाइजेशन मैनेजर अनुज सक्सेना द्वारा दमोह जिले के विभिन्न प्रकार के खाद्य व्यापार करने वाले खाद्य व्यापारियों का खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त

प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी खाद्य व्यापारियों ने हिस्सा लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग के सभी कानूनों प्रावधानों की जानकारी प्राप्त की। ज्ञात हो कि एफ.एस.एस.ए.आई. द्वारा खाद्य व्यापार संचालकों को खाद्य सुरक्षा सुपरवाइजर के रूप में प्रत्येक दो वर्ष में एक बार अनिवार्य रूप से ऑफलाइन फोस्टेक ट्रेनिंग प्राप्त करने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त फोस्टेक ट्रेनिंग फोस्टेक प्रोग्राम इंपैनलड एजेंसी ग्लोबल इंस्टीट्यूट द्वारा दमोह जिले के खाद्य व्यापारियों को प्रदान किया गया है। खाद्य व्यापारियों ने ट्रेनर विवेक पाठक से अपने व्यापार से सम्बंधित कई प्रश्न भी पूछे जिस पर ट्रेनर ने खाद्य व्यापारियों के सभी सवालों का जवाब दिया तथा एफ.एस.एस.ए.आई. के सभी नियमों का पालन करने हेतु उपस्थित समस्त खाद्य व्यापारियों से अपील की।

कलेक्टर की अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के संबंध में अहम् बैठक संपन्न

सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा विशेष रूप से रहे मौजूद

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।

दमोह, 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जिला स्तर के अलावा हर ब्लाक के साथ ही हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर में भी योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही स्कूलों एवं महाविद्यालयों में योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला स्तर पर मुख्य कार्यक्रम एक्सीलेंस स्कूल मैदान में आयोजित किया जाएगा। इस आशय की बात आज कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के संबंध में आयोजित बैठक में कही। उन्होंने कहा आयोजित कार्यक्रम में बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। इस आयोजित बैठक में सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा इसके अलावा चिन्हित स्थलों पर जहां पर कार्यक्रम पहले किए गए हैं, वहां पर भी आयोजित किए जाएं। उन्होंने शहर के प्रमुख गार्डन में भी योग दिवस पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कहा। इस संबंध में बैठक में चर्चा भी की गई। कलेक्टर ने गावों में अमृत सरोवर के पास भी योग कार्यक्रम आयोजित करने के लिये कहा। कलेक्टर ने कहा कि इन आयोजित कार्यक्रमों में चैंपियन, टॉपर छात्रों के अलावा विभिन्न क्षेत्रों में प्रसिद्धि प्राप्त लोगों को भी आमंत्रित किया जाए। योग दिवस के कार्यक्रम 14 से 21 जून तक आयोजित किये जाएंगे, 14 से 20 तक रिहर्सल योग कार्यक्रम होंगे। बैठक में योग की थीम योगा फॉर वूमेन एंपावर के संबंध में चर्चा करते हुए कहा गया अधिक से अधिक संख्या में महिलाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने महिला बाल विकास और एनआरएलएम के अधिकारी से कहा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और स्वसहायता समूह की महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए। बैठक में महिला योग टीचरों से कहा गया कि वह अधिक से अधिक महिलाओं से योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता करने के लिए अपील करें। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर दमोह जिला मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम के साथ ही खंड स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम भव्यता के साथ आयोजित किए जाएं। उन्होंने सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा से समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए कहा। योग काऊंटडाउन के तहत इस वर्ष 14 जून से योग के कार्यक्रम रिर्हसल के आयोजित किए जाएंगे, यह कार्यक्रम जिला और ब्लॉक स्तर पर होंगे। इस संबंध में कलेक्टर ने चर्चा करते हुए योग इंस्ट्रक्टर और योग संस्थाओं के पदाधिकारी से चर्चा की और स्कूल और खेल विभाग तथा आयुर्वेद के योगाचार्य से चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि तदानुसार व्यवस्थाएं कर योग्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। योग दिवस के संबंध में विभिन्न योग संस्थाओं के पदाधिकारियों और योग गुरूओं ने अपनी-अपनी बात व सुझाव रखे।

आग से मरने वाले भारतीयों की संख्या 49 पहुंची
भारतीय दूतावास ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

इंटरनेशनल डेस्क- कुवैत की एक इमारत में आग लगने से कम से कम 49 भारतीयों की मौत समेत 30 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। इनमें 40 भारतीय शामिल हैं। कुवैत समाचार एजेंसी की खबर के मुताबिक, आग बुधवार सुबह दक्षिणी मंगाफ जिले की एक इमारत में लगी। अधिकारियों के मुताबिक, आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि आग बुधवार तड़के कुवैत के दक्षिणी अहमदी गवर्नरेट के मंगाफ इलाके में छह मंजिला इमारत की रसोई में लगी। कथित तौर पर इमारत में करीब 160 लोग रहते थे, जो एक ही कंपनी के कर्मचारी हैं। कथित तौर पर वहां रहने वाले कई कर्मचारी भारतीय थे।

हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध- भारतीय दूतावास

कुवैत में भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज भारतीय श्रमिकों से जुड़ी दुखद आग दुर्घटना के संबंध में, दूतावास ने एक आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर- +965-65505246 जारी किया है। सभी संबंधित लोगों से अनुरोध है कि वे अपडेट के लिए इस हेल्पलाइन से जुड़ें। दूतावास हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय कुवैत की कुल आबादी का 21 प्रतिशत (1 मिलियन) और इसके कार्यबल का 30 प्रतिशत (लगभग 9 लाख) हैं।

आग की घटना की खबर से गहरा **सदमा लगा- जयशंकर**

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कुवैत शहर में आग की घटना की खबर से गहरा सदमा लगा है। कथित तौर पर 40 से अधिक लोगों की मौत हो गई है और 50 से अधिक अस्पताल में भर्ती हैं। हमारे राजदूत शिविर में गए हैं। हम आगे की जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, दुखद रूप से जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना। जो लोग घायल हुए हैं उनके शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करते हैं। हमारा दूतावास इस संबंध में सभी संबंधित लोगों को पूरी सहायता प्रदान करेगा।

बिल्डिंग के मालिक को गिरफ्तार करने का आदेश

कुवैत टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, कुवैत के आंतरिक मंत्री शेख फहाद अल-यूसुफ अल-सबाह ने पुलिस को मंगफ बिल्डिंग के मालिक को गिरफ्तार करने का आदेश दिया है, जहां बुधवार को आग लगी थी। साथ ही, बिल्डिंग के चौकीदार और साथ ही, घटनास्थल पर आपराधिक साक्ष्य कर्मियों की जांच पूरी होने तक श्रमिकों के लिए जिम्मेदार कंपनी के मालिक को भी गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। मंत्री ने आग लगने की जगह का दौरा करने के बाद एक बयान में कहा, आज जो कुछ हुआ, वह कंपनी और बिल्डिंग मालिकों के लालच का नतीजा है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कुवैत नगर पालिका और जनशक्ति के लिए सार्वजनिक प्राधिकरण को आदेश दिया है कि वे ऐसे उल्लंघनों को दूर करने के लिए तत्काल कार्रवाई शुरू करें, जहां बड़ी संख्या में श्रमिकों को एक आवासीय इमारत में ठूंस दिया जाता है, और यह सुनिश्चित करें कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सभी सुरक्षा आवश्यकताएं पूरी हों।

पाकिस्तान में पिछले साल के मुकाबले गधों की संख्या में हुई बेतहाशा वृद्धि, खुश हुआ चीन

इस्लामाबाद: गधों के मामले में पाकिस्तान दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। पाकिस्तान सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 में बताया गया है कि पाकिस्तान में पिछले साल के मुकाबले गधों की संख्या में 100,000 की वृद्धि हुई है जिससे से चीन का खुश होना लाजिमी है। इसी के साथ पाकिस्तान में कुल गधों की संख्या 59 लाख तक पहुंच गई है। अब पाकिस्तान सरकार इन गधों का निर्यात कर और अधिक विदेशी मुद्रा कमाने की तैयारी में है। पाकिस्तान हर साल बड़ी संख्या में चीन को गधों का निर्यात करता है। इन गधों का इस्तेमाल चीन में मीट के लिए और पहाड़ी इलाकों में सामान ढोने के लिए किया जाता है। पाकिस्तान में पशुधन पर जारी नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान देश में गधों की संख्या 1.72 प्रतिशत बढ़कर 59 लाख हो गयी है। मंगलवार को पाकिस्तान आर्थिक सर्वेक्षण (पीईएस) 2023-24 जारी किया गया जिसमें मौजूदा वित्तीय वर्ष में प्रमुख आर्थिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया है। इसमें दिखाया गया है कि देश में गधों की संख्या बढ़ रही है। पीईएस में जारी आंकड़ों से पता चलता है कि बोझ ढोने वाले जानवरों की संख्या 2019-2020 में 55 लाख थी। यह संख्या 2020-21 में 56 लाख, 2021-22 में 57 लाख और 2022-23 में 58 लाख थी, जबकि 2023-24 में यह बढ़कर 59 लाख हो गई है। इसमें कहा गया है कि घोड़े और खच्चरों की संख्या में पिछले पांच वर्षों में कोई खास बदलाव नहीं आया है, तथा यह क्रमश: चार लाख और दो लाख है। गधे कई पाकिस्तानियों की आखिरी उम्मीद हैं, खास करके उन लोगों के लिए जो ग्रामीण इलाकों में रहते हैं। ग्रामीण इलाकों में अर्थव्यवस्था इन जानवरों के साथ गहरे से जुड़ी हुई है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब द्वारा जारी किए गए इस सर्वेक्षण में अन्य पशुधन का भी ब्यौरा दिया गया है। देश में ऊंटों की संख्या जो पिछले चार वर्षों से स्थिर थी, अब बढ़ गई है। इनकी संख्या पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 11 लाख से बढ़कर 12 लाख हो गई है। पशुपालन पाकिस्तान की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। 80 लाख से अधिक ग्रामीण परिवार पशुधन उत्पादन में लगे हुए हैं।

ऑस्ट्रेलिया का छात्रों को बड़ा झटका

1 जुलाई से नहीं लेगा स्टूडेंट वीजा के लिए आवेदन

सिडनी: ऑस्ट्रेलियाई सरकार विदेशी नागरिकों के लिए वीज़ा हॉपिंग करना और भी मुश्किल बना रही है। ऑस्ट्रेलिया में छात्रों के लिए नए वीजा नियम लागू किए जा रहे हैं जिससे छात्रों खासकर भारतीय छात्रों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सांसद गृह मंत्री साइबर सुरक्षा मंत्री क्लेयर ओ्नील ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया ने जुलाई से स्टूडेंट वीज़ा के लिए आवेदन न लेने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि यह कदम प्रवासन प्रणाली में वीजा की होड़ को समाप्त करने के लिए उठाया गया है। जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार क्लेयर ने बताया पिछले साल जारी की गई प्रवासन रणनीति में वीज़ा हॉपिंग को प्रतिबंधित करना और उन खामियों को समाप्त करना हैजो छात्रों और अन्य अस्थायी वीज़ा धारकों को ऑस्ट्रेलिया में अपने प्रवास को कुछ मामलों में अनिश्चित काल तक लगातार बढ़ाने की अनुमति देते हैं। विज्ञप्ति के अनुसार छात्र वीजा पर ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या 2022-23 में 30 हजार से बढ़कर 150,000 से अधिक हो गई है। प्रसिद्ध ऑस्ट्रेलियाई जनसांख्यिकी विशेषज्ञ, पीटर मैकडोनाल्ड ने हाल ही में कहा था कि देश में पहले से ही मौजूद लोगों से कम वीज़ा आवेदन स्वीकार करके वीज़ा हॉपिंग में गंभीर रूप से कटौती करने से स्थायी प्रवासन में कटौती की तुलना में जनसंख्या वृद्धि को बेहतर ढंग से प्रबंधित किया जा सकेगा। सबसे पहले, विज़िटर वीज़ा धारक ऑनशोर छात्र वीज़ा के लिए आवेदन नहीं कर पाएंगे। 1 जुलाई 2023 से मई 2024 के अंत तक 36,000 से अधिक आवेदनों के साथ, स्टूडेंट पाथवे का विज़िटर तेजी से प्रचलित हो गया है।यह उपाय उस रास्ते को बंद कर देता है जिसका उपयोग सरकार के मजबूत अपतटीय छात्र वीज़ा विरोधी उपायों को विफल करने के प्रयास के लिए किया गया है। सरकार के इस फैसले के तहत आगंतुक वीज़ा और अस्थायी स्नातक वीज़ा वाले लोग अब ऑनशोर छात्र वीज़ा के लिए आवेदन नहीं कर पाएँगे। ये उन अन्य बदलावों के अतिरिक्त हैं जो इस साल माइग्रेशन को कम करने के लिए लागू किए गए हैं।

गृह मामलों की मंत्री क्लेयर ने बुधवार को घोषणा की कि इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया में अध्ययन करने के लिए आने वाले लोगों के लिए नियमों को कड़ा करने और माइग्रेशन के स्तर को कम करने के लिए कई बदलाव किए गए थे लेकिन 1 जुलाई से सरकार दो रास्ते बंद कर देगी जिसके तहतविजिटर वीजा और अस्थायी स्नातक वीजा धारक अब ऑनशोर स्टूडेंट वीजा के लिए आवेदन नहीं कर पाएंगे। मंत्री के कार्यालय से एक बयान में कहा गया है, विजिटर से स्टूडेंट मार्ग का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है, 1 जुलाई 2023 से मई 2024 के अंत तक 36,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं।

घर पर हुई फायरिंग को लेकर पहली बार बोले सलमान खान- मेरे परिवार के लिए गंभीर खतरा

मुंबई- अभिनेता सलमान खान ने 14 अप्रैल को उनके बांद्रा स्थित आवास पर कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्यों द्वारा की गई गोलीबारी की घटना पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। मुंबई क्राइम ब्रांच को दिए गए एक बयान में, सलमान खान ने इस बात पर जोर दिया कि यह घटना उनके और उनके परिवार के सदस्यों के लिए एक अहम खतरा है और इसे कम करके नहीं आंका जाना चाहिए। इसके अलावा, पुलिस ने गोलीबारी की घटना के संबंध में सलमान खान के छोटे भाई अरबाज खान का भी बयान दर्ज किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, अभिनेता और उनके परिवार के सदस्य बांद्रा पश्चिम के गैलेक्सी अपार्टमेंट में अपने आवास पर मौजूद थे, जब शूटरों ने पांच से छह राउंड फायरिंग की। सलमान खान ने पुलिस को बताया कि वह गोलियों की आवाज सुनकर जाग गए। जांच करने पर, वह गैलरी में आए और बाहर किसी को नहीं देखा। कुछ मिनटों के बाद, इमारत पर तैनात सुरक्षा गार्ड उनके घर पहुंचे और उन्हें बाहर हुई घटनाओं के बारे में जानकारी दी। अधिकारी ने कहा, अभिनेता ने अपने बयान में पूरे घटनाक्रम का वर्णन करते हुए कहा कि लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने उन्हें गलत तरीके से निशाना बनाया था। अरबाज ने पुलिस को दिए अपने बयान में कहा, इससे पहले, किसी ने एक धमकी भरा नोट छोड़ा था जो उनके घर के बाहर पाया गया था और बिश्नोई गिरोह के सदस्यों ने उनके पनवेल फार्महाउस की रेकी की थी। यह (गोलीबारी) तीसरी घटना है और पुलिस को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। 14 अप्रैल की तड़के दो बाइक सवार हमलावरों ने अभिनेता के घर पर 5-6 राउंड फायरिंग की थी और शहर से भाग गए थे। फायरिंग मामले में पुलिस ने अब तक छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 14 मई को, पुलिस ने छठे संदिग्ध, हरपाल सिंह, जिसे हैरी के नाम से भी जाना जाता है, 25 साल की उम्र को हरियाणा से गिरफ्तार किया। वह शूटरों को फाइनेंस करने में शामिल था। गिरफ्तार किए गए अन्य व्यक्तियों में मोहम्मद रफीक सरदार चौधरी, साथ ही दो शूटर, विक्की कुमार गुप्ता, 25 वर्ष और सागर कुमार पाल, 24 वर्ष शामिल हैं। अनुज थापन, 32 वर्ष, जो अपराध शाखा की हिरासत में थे, ने आत्महत्या कर ली। 1 मई को। इसके अलावा, पंजाब से 37 साल के सोनू सुभाषचंद्र बिश्नोई को गिरफ्तार किया गया। पुलिस रिपोर्टों के अनुसार, 15 मार्च को, थापन और सोनू बिश्नोई ने पनवेल में गुप्ता और पाल से मुलाकात की और उन्हें दो पिस्तौल और 38 जीवित राउंड उपलब्ध कराए, जिनका इस्तेमाल अभिनेता के अपार्टमेंट में गोलीबारी की घटना में किया गया था। पुलिस के अनुसार, चौधरी लॉरेंस बिश्नोई के भरोसेमंद सहयोगी रोहित गोदारा के संपर्क में था और उसने 12 अप्रैल को सलमान के घर का एक वीडियो रिकॉर्ड किया था। अपराध शाखा ने तकनीकी विशेषज्ञों की सहायता से चौधरी का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। आगे पूछताछ करने पर, चौधरी ने बिश्नोई गिरोह के एक सदस्य से ?3 लाख नकद प्राप्त करने की बात स्वीकार की। इसके बाद उन्होंने दो शूटरों, 25 साल के विक्की कुमार गुप्ता और 24 साल के सागर कुमार पाल को 2 लाख बांटे।

गर्लफ्रेंड की हत्या कर बेखौफ बोला सिरफिरा आशिक: धोखा देने की सजा सिर्फ मौत कब्रिस्तान में मिली लाश

नेशनल डेस्क- यूपी के बुलंदशहर में एक बेहद डरावनी घटना देखने को मिली। एक सिरफिरे आशिक ने बेधड़क अपनी प्रेमिका का गला काट दिया जिसके बाद भी उसके चेहरे पर जरा पछतावा नही और इस बीच प्रेमी का कहना है कि उसकी प्रेमिका आसमां ने उसको धोखा दिया था, इसलिए उसको मौत के घाट उतार दिया। आसमां के प्रेमी अदनान को जब पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की तो अदनान उर्फ बब्लू ने अपना जुर्म कबूल किया और बोला, मोहब्बत में धोखा दे दिया और धोखा देने की सजा सिर्फ एक ही है मौत हत्या के बाद कब्रिस्तान के अंदर महिला का लहूलुहान शव पड़ा मिला था। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव कब्जे में लेकर बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस जांच में सामने आया है कि शादीशुदा मृतिका आसमां से अदनान के अवैध संबंध थे. चरित्र पर शक करने के चलते अदनान ने गला रेत कर आसमां की बेरहमी से हत्या की है। आरोपी अदनान ने कहा 'खलनायक फिल्म देखकर बब्लू बलराम बना हूं। प्यार और दोस्ती में धोखा देने वालों का कत्ल करने में कोई गुरेज नहीं है। प्रेमिका ने धोखा दिया तो उसे मौत के घाट उतार दिया है और अगर घरवालों को किसी ने परेशान किया तो उसे बम से उड़ा दूंगा।

भारत में विदेशी एयरलाइंस की संख्या में हो सकती है बढ़ोतरी, मामला केंद्र के पास विचाराधीन

नेशनल डेस्क- भारत सरकार द्विपक्षीय उड़ान अधिकारों के तहत और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की अनुमति पर विचार कर रही है। यदि भारत इन अधिकारों के तहत ज्यादा संख्या में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की अनुमति देता है तो देश में विदेशी एयरलाइंस की संख्या में बढ़ोतरी हो सकती है। भारत के 116 देशों के साथ इस तरह के द्विपक्षीय उड़ान समझौते हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर भारत ऑस्ट्रेलिया के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करता है, तो भारतीय एयरलाइन्स को भारत से ऑस्ट्रेलिया के लिए एक निश्चित संख्या में उड़ानों की अनुमति दी जाएगी और ऑस्ट्रेलियाई एयरलाइन्स भारत के लिए भी उतनी ही संख्या में उड़ानें शुरू कर सकती हैं। हालांकि 2014 में कार्यभार संभालने के बाद से नरेंद्र मोदी सरकार ने यह माना है कि विदेशी एयरलाइंस ने द्विपक्षीय विदेशी उड़ान अधिकारों में अनुचित लाभ प्राप्त किया है और भारत से अपने ट्रैफिक का स्रोत बनाकर विमानन केंद्र बनाए हैं। भारत में अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात खंड भारतीय एयरलाइन्स एयर इंडिया, इंडिगो और अकासा द्वारा लगभग 11 महीनों में 1,600 से अधिक विमानों के ऑर्डर दिए जाने के साथ सुर्खियों में आ गया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस मुद्दे पर एयरलाइन्स के अलग-अलग रुख हैं। पिछले हफ्ते सी.ए.पी.ए. इंडिया एविएशन समिट के दौरान अकासा एयर के संस्थापक और विनय दुबे ने कहा है कि अगर हम अगले 10 सालों तक दुबई को नहीं खोलते हैं, तो मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि दुबई के लिए हवाई किराए बहुत ज्यादा स्तर तक पहुंच सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के लिए याचिका दायर करना जारी रखेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय सिख प्रवासियों को भड़का रहा चीन, पश्चिम में भारत के खिलाफ प्रदर्शनों को दे रहा बढ़ावा

इंटरनेशनल डेस्क: चीन ऑपरेशन के नाम से कनाडा में हरदीप सिंह निज्जर की गैंगस्टर हत्या का फायदा उठाकर अंतरराष्ट्रीय सिख प्रवासियों को भड़का रहा है और ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और अन्य जगहों पर फर्जी भारत विरोधी विरोध प्रदर्शन कर रहा है, डॉ सकारिया करीम की एक रिपोर्ट के अनुसार अगस्त 2018 में, भारत में तत्कालीन चीनी राजदूत लुओ झाओहुई ने लुधियाना में डॉ कोटनीस एक्यूपंक्चर क्लिनिक के दौरे के दौरान पगड़ी पहनी थी। यह एक प्रतीकात्मक कार्य था क्योंकि समारोह पंजाब में आयोजित किया गया था। हालाँकि, आज चीनी पश्चिम में भारत विरोधी सिख विरोध को भड़काने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग कर रहे हैं। ऑपरेशन के नाम से चीन कनाडा में हरदीप सिंह निज्जर की गैंगस्टर हत्या का फायदा उठाकर अंतरराष्ट्रीय सिख प्रवासियों को भड़का रहा है और ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और अन्य जगहों पर फर्जी भारत विरोधी विरोध प्रदर्शन कर रहा है। मई 2024 में फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप का संचालन करने वाली कंपनी मेटा ने अपनी मेटा की त्रैमासिक प्रतिकूल खतरा रिपोर्ट के हिस्से के रूप में इस उद्देश्य के लिए चीन द्वारा बनाए गए नकली सोशल मीडिया खातों पर एक नोटिस जारी किया। कंपनी ने तब से ऑपरेशन के नामक झूठे खातों के चीनी नेटवर्क को नष्ट कर दिया है। मेटा नोटिस में कहा गया है कि नेटवर्क चीन में उत्पन्न हुआ और ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, यूके और नाइजीरिया सहित वैश्विक सिख समुदाय को लक्षित करता था। मेटा ने 37 फेसबुक अकाउंट, 13 पेज, पांच ग्रुप और इंस्टाग्राम पर नौ अकाउंट हटा दिए। लगभग 2,700 अकाउंट इनमें से एक या अधिक पेज को फॉलो करते थे, लगभग 1,300 अकाउंट इनमें से एक या अधिक ग्रुप में शामिल हुए और 100 से कम अकाउंट इनमें से एक या अधिक इंस्टाग्राम अकाउंट को फॉलो करते थे। हालाँकि ये आँकड़े कम प्रतीत होते हैं, लेकिन वे आम तौर पर हिमशैल के सिरे होते हैं। मेटा ने टेलीग्राम और एक्स पर एक ही चीनी स्रोत से आने वाले समानांतर व्यवहार को पाया। मेटा ने समझाया कि ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने ऑपरेशन के नामक एक काल्पनिक कार्यकर्ता आंदोलन बनाया है, जिसमें न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सहित सिखों के समर्थन में विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया गया है। ऑपरेशन च के पीछे चीनी लोगों का हाथ है, यह स्पष्ट है; संदेशों की उत्पत्ति, जहाँ संचालकों ने सिखों के रूप में प्रस्तुत किया और सामग्री पोस्ट करने के साथ-साथ पेज और समूहों का प्रबंधन करना शुरू कर दिया, का पता भारत और तिब्बत क्षेत्र को लक्षित करने वाले चीन के नेटवर्क से लगाया गया था, जिसे 2023 की शुरुआत में बंद कर दिया गया था, लेकिन अब यह फिर से सामने आ रहा है। मेटा ने नोट किया कि सामग्री में पंजाब क्षेत्र में बाढ़, दुनिया भर में सिख समुदाय, खालिस्तान स्वतंत्रता आंदोलन, कनाडा में खालिस्तान स्वतंत्रता कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या और भारतीय सरकार की आलोचना के अलावा फ़ोटो संपादन टूल द्वारा हेरफेर की गई या,डु द्वारा उत्पन्न की गई छवियाँ शामिल थीं। इंडिया टुडे द्वारा एक उदाहरण नेटवर्क का हवाला दिया गया है। इसमें अश्वा सिंह के बारे में बताया गया है, जिसने खुद को ब्रिटेन से शिक्षा प्राप्त और दिल्ली में रहने वाली पंजाबी लड़की के रूप में पेश किया। उसने दावा किया कि वह सिख विरासत, भाषा और संस्कृति के प्रति गहरी भावुक है और भारत सरकार की मुखर आलोचक थी। उसके सोशल मीडिया पोस्ट में अक्सर अमेरिका से भारतीय आधिपत्य का मुकाबला करने के लिए खालिस्तान का समर्थन करने का आह्वान किया जाता था। हालाँकि, वास्तविकता यह है कि अश्वा सिंह अस्तित्व में ही नहीं थी! यह अकाउंट चीन से जुड़े फर्जी प्रोफाइल के नेटवर्क का हिस्सा था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569